मित्र समाचार

fmpb

अंक 15 प्रकाशन 2 फरवरी 2025

"जो उसकी आज्ञाओं को मानता है, वह उसमें और वह उनमें बना रहता है।" 1 यूहन्ना 3:24

परमेश्वर के वचन में बने रहना

परमेश्वर के वचन में अधिकाई से बने रहें

प्रथम पंक्ति....

आईये हम उसके वचन में बने रहें

वर्ष 1974 में अपनी पुस्तक गॉड इन माई कॉर्नर में, बॉक्सर जॉर्ज फोरमैन ने एक दोस्त के बारे में एक कहानी साझा की, जिसने मुहम्मद अली के खिलाफ लड़ने के लिए अफ्रीका की यात्रा से पहले उन्हें एक बाइबिल दी थी। दोस्त ने उन्हें इसे अच्छे भाग्य के लिए लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उस समय, जॉर्ज को केवल एक बाईबल का आयत पता था – ''प्रभु मेरा चरवाहा है'' – और उन्होंने बाइबिल को एक चरवाहे की पुस्तिका के रूप में माना, इसे अन्य व्यक्तिगत वस्तुओं के साथ अपने साथ रखा, यह मानते हुए कि यह उनके लिए सफलता लेकर आएगी। बाद में, व्यक्तिगत कठिनाई के समय में, उन्होंने यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और अंततः एक पुरोहित बन गए।

आज, क्या हम बाइबल को भी इसी तरह देखते हैं, यह सोचते हुए कि यदि हम इसे अपने वाहन में ले जाएं, इसे अपने व्यवसाय के स्थान पर रखें, या इसे अपने साथ कहीं भी ले जाएं तो यह हमारी रक्षा करेगी या हमें सफलता लेकर लाएगी? क्या यह केवल एक चरवाहे की पुस्तिका है, या यह एक शक्तिशाली तलवार है जिसे हम दुश्मनों के खिलाफ चलाते हैं? FMPB का पहला सिद्धांत ''परमेश्वर के वचन में बने रहना'' है। हम उसमें तभी बने रह सकते हैं जब हम पवित्रशास्त्र को पढ़ें, उससे प्रेम करें, उसे याद करें, उस पर मनन करें, और उसे अपने जीवन में लागू करें, ऐसा करने से, वह हमारे अंदर बना रहेगा (1यूहन्ना 3:24)।

ऐसे युग में जहाँ झूठी शिक्षाएँ बहुतायत से हैं और भ्रम और विकर्षण हमें डराते हैं, यदि हम परमेश्वर की सच्चाई की तलाश करने के लिए समय नहीं देते हैं तो हम धोखा खाने का जोखिम उठाते हैं। प्रेरितों के काम 17:10–15 में बिरिया के लोगों की तरह, हमें भी शास्त्रों की खोज करनी चाहिए और सीखना चाहिए। उसके वचन में बने रहना हमें सच्चे शिष्य बनाता है, हमें आध्यात्मिक परिपक्वता में बढ़ने, पाप से दूर रहने और फलदायी जीवन जीने में मदद करता है।

बाइबल एकमात्र ऐसी पुस्तक है जो हर उम्र, समय और परिस्थिति के लिए प्रासंगिक है। हमें इसे न केवल अपने हाथों में रखना चाहिए बल्कि अपने दिलों में भी रखने की जरूरत है। कई लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया है ताकि हम इसे अपनी मातृभाषा में प्राप्त कर सकें। यह लिखा है कि हमें परमेश्वर के ज्ञान में बढ़ना चाहिए, और इसके लिए हमें शास्त्रों को समझ के साथ पढ़ना और अध्ययन करना चाहिए। इब्रानियों की पत्री 4:12 हमें याद दिलाता है, ''क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित और प्रबल है, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है; और प्राण और आत्मा को, और गाँठ–गाँठ और गूदे–गूदे को अलग करके आर–पार छेदता है और मन की भावनाओं और विचारों को जाँचता है।'' बाइबल हमें सांत्वना देती है, हमारा मार्गदर्शन करती है और हमें रूपांतरित करती है।

परमेश्वर, हमें इस वर्ष उसके वचन से पहले से भी अधिक गहराई से प्रेम करने में सहायता प्रदान करें। आमीन।

मर्सी सेल्विन *(संचार विभाग)*

..."सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धार्मिकता की शिक्षा के लिये लाभदायक है। ताकि परमेश्वर का सेवक सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिये तत्पर हो जाए।"

2तीमुथियुस 3:16–17

आत्मा की तलवार – बाइबल – वह हथियार है जिसे परमेश्वर ने हमें सत्य और धोखे के बीच इस युद्ध में उपयोग करने के लिए प्रदान किया है। उस तलवार को कुशलता से चलाना अपनी प्राथमिकता बनाइए।

– बिली ग्राहम

"मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।"

मत्ती 4:4

"परमेश्वर का वचन रात के लिए दीपक, दिन के लिए उजियाला और हर समय के लिए आनन्द का कारण है।"

–चार्ल्स एच. स्पॉर्जन

मित्र समाचार

हमारा दर्शन :

यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ अपहुंच भारतीयों तक पहुँचना।

हमारा मिशन :

देश में यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना, परिवर्तित समुदाय के निर्माण के लिए सेवा करना और उनकी बड़ी भागीदारी के लिए भारतीय कलीसियाओं के साथ दर्शन को साझा करना।

एफ.एम.पी.बी. देश भर में कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

एफ.एम.पी.बी. विभिन्न जन समूहों के बीच में संतृप्ति सुसमाचार का प्रचार करती है। एफ.एम.पी.बी. कलीसियाओं, संस्थानों, परिवारों और व्यक्तियों को इसके काम में समर्थन देने और प्रार्थना करने हेतु आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

प्रकाशक एवं संपादक
एस. जॉन बर्लिन

अंशदान	भारत	विदेश
वार्षिक	100 रूपये	600 रूपये
आजीवन	600 रूपये	5,000 रूपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की ओर से...

वंचितों तक पहुँचने के मिशन में प्रिय साझेदारों,
परमेश्वर के वचन में बने रहना हमारे नौ ईश्वर प्रदत्त सिद्धांतों में से पहला है और यह फरवरी 2025 की पत्रिकाओं का शीर्षक है। पौलुस ने 2तीमुथियुस 2:8–9 में लिखा कि "यीशु मसीह को स्मरण रख, जो दाऊद के वंश से हुआ और मरे हुओं में से जी उठा, और यह मेरा सुसमाचार के अनुसार है। जिसके लिए मैं कुकर्मी के समान दुःख उठाता हूँ, यहाँ तक कि कैद भी हूँ; परन्तु परमेश्वर का वचन कैद नहीं।" हमें न केवल परमेश्वर के वचन के प्रति आज्ञाकारी होने के लिए बुलाया गया है, परन्तु सुसमाचार के लिए दुःख के लिए भी बुलाया गया है। और उन्होंने इस महत्वपूर्ण सत्य का उल्लेख किया कि परमेश्वर का वचन जंजीरों में जकड़ा हुआ नहीं है। यही हम हर जगह अनुभव कर रहे हैं कि इतने विरोध के बावजूद, सुसमाचार जंगल की आग की तरह फैल रहा है।

पिछले अध्याय में और 2तीमुथियुस के दूसरे अध्याय में भी पौलुस कहता है कि वह सुसमाचार या सत्य के वचन से लज्जित नहीं है। पद 15 में पौलुस ने अपने शिष्य को तीन क्षेत्रों में परमेश्वर के सामने स्वयं को प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया। पहला स्वीकृत व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत होना, दूसरा ऐसे कार्यकर्ता के रूप में प्रस्तुत होना जिसे लज्जित होने की आवश्यकता नहीं है और तीसरा सत्य के वचन को सही ढंग से संभालने वाले व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत होना। इसलिए, हमें स्वीकृत व्यक्ति के रूप में हर जगह और हर समय वचन का प्रचार करना चाहिए। आईए हम 2तीमुथियुस 4:2 में पौलुस के मार्गदर्शन का पालन करें, "के तू वचन का प्रचार कर; समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ उलाहना दे और डाँट और समझा।"

पेंट क्रिसमस कार्यक्रम

20 और 21 दिसंबर को पेंट फील्ड में क्रिसमस कार्यक्रम मनाया गया। इस विशाल सभा में 20,000 से अधिक विश्वासियों ने भाग लिया। सभा में कई जन अगुवों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और विश्वासियों को शुभकामनाएं दीं।

संघवी छात्रावास भवन प्रथम तल का लोकार्पण

महाराष्ट्र में संघवी बॉयज हॉस्टल में निर्मित प्रथम तल का लोकार्पण 22 दिसंबर को हॉस्टल के बच्चों, अभिभावकों और मिशनरियों की उपस्थिति में किया गया। एफ.एम.पी.बी. के बच्चों के लिए अधिक विशाल आवास उपलब्ध कराने के लिए दानदाताओं का आभार व्यक्त करता है।

तमिलनाडु मिशनरियों का दौरा

27 से 29 दिसंबर तक हमने तमिलनाडु में प्रभु की सेवा कर रहे मिशनरियों से मुलाकात की, उनके साथ समय बिताया, संगति की और उनकी सेवकाई को बेहतर तरीके से जाना।

तूतीकोरिन पुलिस विभाग प्रार्थना फेलोशिप पारिवारिक सभा

मैं 5 जनवरी को आयोजित पुलिस विभाग के पारिवारिक प्रार्थना फेलोशिप के लिए तूतीकोरिन अगुवों के निमित परमेश्वर की स्तुति करता हूँ। अपनी उच्च–दबाव वाली जिम्मेदारी के बीच, पुलिस विभाग के मसीहियों ने राष्ट्र और अपने विभाग के लिए प्रार्थना करने हेतु एक साथ इकट्ठे

होते हैं। कार्यक्रम में साझा की गई गवाहियों के द्वारा मैंने देखा कि कैसे परमेश्वर उनकी प्रार्थना का उपयोग शक्तिशाली कार्य करने के लिए कर रहा है। परमेश्वर ने मुझे इस सभा में वचन का प्रचार करने का अवसर दिया।

क्रिश्चियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के साथ बैठक

हमने अपने सचिवों और मिशनरियों को नेतृत्व प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए क्रिश्चियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कार्यक्रम के निदेशक और कार्यकारी निदेशक के साथ चर्चा की। हमने अलग–अलग सेवा अवधि के सचिवों और मिशनरियों को तीन तरह के प्रशिक्षण का निर्णय लिया और योजना बनाई है। कृपया प्रशासन में अधिक प्रभावशीलता प्रदान करने के लिए कार्यक्रम के आशीष के लिए प्रार्थना करें।

चित्तूर और आनंदपुर क्षेत्र का दौरा

8 जनवरी से हमने आंध्र प्रदेश के मिशन क्षेत्रों और मिशनरियों का दौरा किया। अवलोकन के आधार पर भविष्य की योजनाओं और रणनीतियों पर चर्चा की गई।

मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि फरवरी महीने के मेरे कार्यक्रमों के लिए प्रार्थना करें

खनदेश दौरा:

1 और 2 फरवरी को मैं खनदेश क्षेत्रीय मिशन क्षेत्रों का दौरा करूँगा।

राष्ट्रीय योजना सम्मेलन:

राष्ट्रीय योजना सम्मेलन 2025, 8 और 9 फरवरी को आयोजित किया जाना है। कृपया सभी कार्यक्रमों के लिए प्रार्थना करें। 7 तारीख को उपवास और प्रार्थना का दिन होगा।

कार्यकारी समिति की बैठक: कार्यकाकरणी समिति की बैठक 10 फरवरी को निर्धारित की गई है। कार्यकारिणी समिति की बैठक के लिए आपकी प्रार्थनाओं की आवश्यक्ता है कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें।

उत्तर भारत मोबिलाइजेशन प्रशिक्षण: उत्तर भारत मोबिलाइजेशन मिशनरियों के लिए 11 फरवरी को चेन्नई में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई है।

मिशन क्षेत्र के क्षेत्रीय सचिवों की बैठक: मिशन क्षेत्र के क्षेत्रीय सचिवों की बैठक चेन्नई में दो दिनों के लिए आयोजित की गई है।

क्षेत्रीय सचिवों का प्रशिक्षण: क्षेत्रीय सचिवों के लिए प्रशासनिक और नेतृत्व से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

सेवानिवृत्त मिशनरी सम्मेलन: सेवानिवृत्त मिशनरी सम्मेलन 19 और 20 फरवरी 2025 को मदुरै में आयोजित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती: छत्तीसगढ़ ने FMPB की सेवकाई में 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और क्षेत्र के विश्वासी और मिशनरी 21 फरवरी से 23 फरवरी तक परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के लिए के लिए उन्हें धन्यवाद देने के हेतु एक उत्सव मनाने की योजना बना रहे हैं। कृपया प्रार्थना करें कि विश्वासी लोगों को मसीह के निमित लोगों को जीतने के लिए प्रेरित हों।

कृपया तमिलनाडु मोबिलाइजेशन की अगले 6 वर्षों में 1000 मिशनरियों को तैयार करने की योजना पूरा होने के लिए प्रार्थना करें। आपकी प्रार्थनाओं के द्वारा परमेश्वर की कृपा से यह संभव हो सकता है।

प्रिय पाठकों और प्रार्थना योद्धाओं, हम आपकी नियमित और ईमानदार प्रार्थनाओं के लिए आपका धन्यवाद करते हैं, जिसके द्वारा प्रभु हमें सुसमाचार फैलाने और परिवर्तित लोगों को देखने में मदद करता है। हम आप सभी को हमारी प्रार्थनाओं में स्मरण करते हैं। प्रभु की कृपा आप सबों पर बनी रहे।

परमेश्वर की सेवा में आपका साथी सेवक

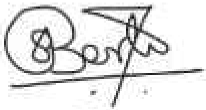

जॉन बर्लिन एस.

परमेश्वर के वचन में

बने रहना

परमेश्वर मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल (एफ.एम.पी.बी.) के निरंतर बढ़ते मिशनरी संगठन को आशीष दे रहा है। यह संगठन मुख्य रूप से प्रार्थना की शक्ति के कारण इस स्तर तक बढ़ा और विस्तारित हुआ है और इसलिए भी क्योंकि हमारे वरिष्ठ अगुवों ने हमारे संगठन के विस्तार का मार्गदर्शन करने के लिए नौ लोकाचार स्थापित किए हैं। परमेश्वर की अनुग्रह से, हम इस लोकाचार का पालन करने में सक्षम हैं। 2025 में, हमने इन लोकाचारों पर चिंतन करने का फैसला किया है, और इनमें से पहला है "परमेश्वर के वचन में बने रहना" (1यूहन्ना 3:24)।

इस महीने हमें पहले सिद्धांत "परमेश्वर के वचन में बने रहना" (1यूहन्ना 3:24) पर चिंतन करने और यह मूल्यांकन करने के लिए बुलाया गया है कि हम अपने जीवन में इस सिद्धांत के अनुसार कितनी ईमानदारी से जीते रहे हैं। मसीह के अनुयायियों के रूप में, हमें न केवल परमेश्वर के वचन को समझने बल्कि उसके अनुसार जीने के लिए भी बुलाया गया है। दूसरों में दोष ढूँढना आसान है, परन्तु यह जाँचना ज्यादा जरूरी है कि मैं परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुसार कैसे जी रहा हूँ। प्रत्येक मसीही के कार्य बहुत मायने रखते हैं।

परमेश्वर के वचन में बने रहना कोई अस्थायी प्रतिबद्धता नहीं है – यह हमारे पूरे जीवन भर बना रहने की जरूरत है। परमेश्वर हमसे यही अपेक्षा करता है। परमेश्वर की आज्ञाएँ हमारे अंदर निरंतर बनी रहनी चाहिए। केवल उसके वचन को स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं है; परन्तु प्रतिदिन हमें उसका पालन करने के लिए कहा जाता है। इसके विपरीत, धार्मिक हस्तियाँ और राजनेता भी अपने वचनों को निभाने की कोशिश करते हैं, परन्तु मसीहियों के रूप में, हमसे यह अपेक्षा की जाती है कि हम परमेश्वर की आज्ञाओं में गहरी और अटूट प्रतिबद्धता के साथ बने रहें।

पालन करना क्रिया–उन्मुख है। हम रोजाना बाईबल पढ़ सकते हैं, परमेश्वर के वचन को सुन सकते हैं, या धर्मोपदेश सुन सकते हैं, परन्तु यह महत्वपूर्ण है कि उसकी आज्ञाएँ वास्तव में हमारे जीवन का संचालन करे। 1यूहन्ना 3:24 में, हमें स्मरण दिलाता है: "जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानता है, वह उसमें रहता है, और वह उनमें बना रहता है। और इसी से हम जानते हैं कि वह हम में रहता है..."यह आयत हमें स्पष्ट रूप से बताती है कि हमें किस तरह का जीवन जीने की जरूरत है।

जब हम परमेश्वर के वचन में बने रहते हैं, तो हम मसीह में रहते हैं, और वह हम में रहता है। आज्ञाएँ, उपदेश और नियम परमेश्वर के वचन हैं। उसमें बने रहने का सार यही है: हमें पहले वचन पर विश्वास करना चाहिए, उसे अपना

मानना चाहिए और उसके अनुसार जीना चाहिए। यह वचन केवल शिक्षाओं का संग्रह नहीं है – यह स्वयं परमेश्वर है। जैसा कि यूहन्ना 1:1 में लिखता है, "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।" यूहन्ना 1:14 कहता है "वचन देहधारी हुआ और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया। हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा, जो है।" जब हम वास्तव में उसमें बने रहते हैं, तो हमारे जीवन में परिवर्तन होता है।

एक ऐसा जीवन जो बहुतायत का फल लाता है:

यूहन्ना 15:5 में यीशु ने कहा, "सच्ची दाखलता मैं हूँ: और तुम डालियाँ हो। यदि तुम मुझ में बने रहो और मैं तुम में, तो तुम बहुत फल लाओगे। मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।" जब परमेश्वर का वचन हमारे अंदर रहता है, तो हम बहुत फल लाते हैं, और हमारा जीवन परमेश्वर के राज्य के लिए उपयोगी बनता है। यूहन्ना 15:8 कहता है "मेरे पिता की महिमा इसी से होती है, कि तुम बहुत फल लाओ, तभी तुम मेरे चेले ठहरोगे।" आईए हम भी वास्तव में उसमें बने रहने के परिणामस्वरूप उसके शिष्य बनें – एक ऐसा जीवन जीएँ जो फलदायी हो, दूसरों को प्रभावित करे, और परमेश्वर की महिमा करे। आईए हम उसके लिए एक फलदायी जीवन जिएँ।

प्राप्त करने का जीवन:

यूहन्ना 15:7 में यीशु ने प्रतिज्ञा की है "यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरे वचन तुम में बनी रहें, तो जो चाहो मांगो और वह तुम्हारे लिए हो जाएगा।" जब हम परमेश्वर के वचन में बने रहते हैं, तो हमारी प्रार्थनाएँ उसकी इच्छा के अनुरूप होती हैं, और हमारे अनुरोध स्वीकार किए जाते हैं। हालाँकि, यह प्रतिज्ञा सशर्त है: हमें उसके वचन में बने रहना चाहिए। नीतिवचन 28:9 हमें याद दिलाती है कि "जो अपना कान व्यवस्था सुनने से मोड़ लेता है, उसकी प्रार्थना घृणित ठहरती है।" परमेश्वर के वचन में बने रहना सीधे तौर पर हमारी प्रार्थनाओं की प्रभावशीलता से जुड़ा हुआ है। आईए हम उसकी इच्छा के अनुसार ग्रहण करें और उसके लिए जिएँ।

एक निर्मित जीवन:

मत्ती 7:24 में यीशु हमें यह भी बताता है, "इसलिए जो कोई मेरी ये बातें सुनता है और उन पर चलता है, वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान है जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।" परमेश्वर का वचन सुनना ही काफी नहीं है: हमें इसे उपयोग में भी लाने की आवश्यकता है। यीशु हमारे आत्मिक जीवन के लिए अपनी अपेक्षाओं में स्पष्ट हैं। पाप, अन्याय और अंधकार से भरी इस दुनिया में, हमें अपने जीवन का निर्माण परमेश्वर के वचन की ठोस नींव पर करना चाहिए। तभी हमारा जीवन मजबूत, स्थिर और स्थायी हो सकता है। आईए हम उस पर आधारित हों और उसके लिए जिएँ।

परमेश्वर के वचन में बने रहने का आह्वान:

परमेश्वर के प्रिय लोगों, चाहे आप मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल के समर्थक, प्रार्थना साथी या अगुवे हों, मैं आपको नए साल में इस सिद्धांत पर गहराई से विचार करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। आईए हम परमेश्वर के वचन में बने रहने और अपने दैनिक जीवन में इसे जीने के लिए प्रतिबद्ध हों। आईए हम दूसरों के लिए आदर्श बनें, अपने कार्यों के माध्यम से परमेश्वर के वचन की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रदर्शन करें। आईए हम न केवल सुनने वाले बनें, बल्कि उस पर चलने वाले बनें – परमेश्वर के वचन में बने रहें और अपने आस–पास की दुनिया के साथ उसका प्रेम को बाँटें।

–रेव्ह. डैनियल थॉमस,
सचिव – तमिलनाडु एवं पॉंडी मोबिलाइजेशन

प्रार्थना करें

कृपया 2024–2025 में होने वाले 10वीं एवं 12वीं की बॉर्ड परिक्षाओं में शामिल होने वाले मिशनरियों के बच्चों को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण रखें।

कृपया उन्हें अपनी नियमित प्रार्थनाओं में भी शामिल करें। FMPB के सदस्यों और हमारे बाल भपनों के बच्चों के लिए भी प्रार्थना करें जो सार्वजनिक परीक्षाओं में शामिल हाने वाले हैं।

कक्षा 10वीं में पढ़ने वाले बच्चे (2024–2025)

क्रम सं०	बच्चों का नाम		अभिभावकों के नाम
1.	अलोंसो	–	रेव्ह. कुमार पॉल के.
2.	अनुराग जॉन	–	श्री मिर्ज्यो किस्कू
3.	जोएल पॉल	–	श्री पॉल डैनियल वी.
4.	मार्क डेनियल वी.	–	रेव्ह. विजयकुमार के.
5.	जेबा ग्रेसिया	–	श्री कुमार वी.
6.	एमिल ब्रेनार्ड	–	रेव्ह. श्रीनिवासन जे.
7.	मेरी स्लेसर	–	श्री शिवशंकरन
8.	सिय्योन राजकुमार डेविड	–	श्री संजीब आनंद
9.	सिय्योन प्रिंस सोलोमन	–	श्री संजीब आनंद
10.	सैम गोल्डन राज	–	श्री विजय बाबू एस.
11.	एलेक्स मैथ्यू पाणि	–	रेव्ह. मनोज कुमार पाणि
12.	बिनोबिन सैमुअल	–	श्री बीनू एम.
13.	सृष्टि कुमारी रमेशभाई	–	रेव्ह. वसावा रमेशभाई उलिंग
14.	स्टीवन कुमार वाडेकर	–	श्री वाडेकर दिलीपभाई रंगुभाई
15.	एश्ले लेविस	–	श्री सेंथिल मुरुगन वी.
16.	के. निंगडोबो	–	श्री डिटुंगबोऊ के.
17.	निस्सी वासावा	–	आदरणीय वसावा आजुभाई राजुभाई
18.	प्रिंस कुमार वाघेरा	–	श्री वाघेरा प्रमोदकुमार
19.	सुस्मिता सलोनी	–	रेव्ह. सुरकर रमेशभाई
20.	डेविड पन्ना	–	श्री जाहर साई पन्ना
21.	सुगंध प्रभु	–	रेव्ह. थंगसे संनतम
22.	यूनिस सिंधुजा	–	राममुनि जेबीवी प्रसाद

23.	गिफ्टसन सम्परामारी	–	श्री गजेन संपरामरी
24.	सैम ग्लेडसन	–	रेव्ह. गोपीकृष्णन एम
25.	प्रेम रिचर्ड	–	रेव्ह. जॉन डेविड
26.	लिडिया शालिनी एस.	–	श्री शंकर एम.
27.	जैस्मीन एंजेल	–	रेव्ह. जस्टिन वाई.
28.	गिफ्टसन जे राज	–	श्री पुष्पराज आर.
29.	जॉन बर्नार्ड	–	श्री अरुलराज एबेनेजर डी
30.	संदेश एन.	–	श्री बालाजी नेहालम
31.	अजारिया सैमुअल राज	–	श्री जॉन अरुलराज
32.	रेचल बीरो	–	श्रीमती. सिप्पोरा

12वीं कक्षा में पढ़ने वाले बच्चे (2024–2025)

क्रम सं०	बच्चों का नाम		अभिभावकों के नाम
1.	आशिन एलेक्स प्रसाद	–	श्री बेंजामिन बी.
2.	जोविता सन्निधि	–	रेव्ह. जॉन कुमार सी.
3.	पॉल जॉयसन	–	रेव्ह. पोन्नुसामी एस.
4.	कालेब ब्रेनार्ड राज वी.	–	रेव्ह. विजयन टी.
5.	आयुष बिभोर किस्कू	–	श्री मिर्जयो किस्कू
6.	नितिन एबेनेजर भुईयाँ	–	रेव्ह. लौलिन भुईयाँ
7.	अबिगा ग्रेस	–	श्री एडवर्ड राजदुरई आर.
8.	जॉयस एंजेलिन डी.	–	रेव्ह. अमीरकांता डिजिटल
9.	नैतिक कुमार	–	रेव्ह. रोमा भाई मौल्या भाई
10.	अर्नेस्ट कमलेश	–	श्री गामित कमलेश सिंगाभाई
11.	जेबा मारिया	–	श्री कुमार वी.
12.	अइडा जेबा शारोन डी.	–	रेव्ह. डेनियल अरुल मणि जे.
13.	जोसेफ डेनियल एस.	–	रेव्ह. सेंथिल कुमार पी.
14.	सलोनी पानी	–	रेव्ह. मनोज कुमार पानी
15.	चकिम के.	–	श्री डिहुंगबोरू के
16.	पियर्सन प्रिंस	–	रेव्ह. भौरसत बाबूभाई विमनभाई
17.	एमलिन शारोन के.एस.	–	श्री किंसली ए.आर.
18.	रोशनी	–	श्री पढवी सोमालिया मनसुभाई
19.	रेगलैंड	–	श्री पॉलराज आर
20.	विजय कुमार नायक	–	रेव्ह. मंज्या नायक जी.
21.	ब्रेसी जस्मीन	–	श्री बरनबास ए.
22.	शेरविन एबेनेजर	–	श्री जेबकुमार पी.
23.	क्रिस्टीना प्रीति एंजल	–	श्री दुरैसामी के.
24.	जडसन टेलर	–	रेव्ह. जस्टिन वाई.
25.	मेलविन ब्लेसो एम.	–	श्री मित्रन ई.
26.	स्वीटलीन रेचल जे.	–	रेव्ह. जॉन पेनिन जे.
27.	श्री अनुराग जी.	–	श्री गेड्डम श्रीनिवास राव

जाओ या भेजो

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल के प्रतीक का इतिहास

प्रतीक/लोगो एक आंदोलन के दृष्टिकोण और उद्देश्य का एक शक्तिशाली प्रतिनिधित्व है। मित्र सुसामचार प्रार्थना दल का प्रतीक एक तारे के आकार के प्रतीक के रूप में डिजाइन किया गया है जो कई महत्वपूर्ण बातों को समाहित किया हुआ है। हमने अपने वरिष्ठ मिशनरी भाई और इसके डिजाइन के पीछे के कलाकार, श्री नवनीत अन्नान से परामर्श करने के बाद इसका विवरण संकलित और साझा किया है। मित्र सुसामचार प्रार्थना दल के सभी सदस्यों के लिए इस प्रतीक के पीछे के अर्थ को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। इस प्रतीक को 1966 में हमारे संगठन की शुरुआत में एक कलाकार श्री दुरैसामी ने बनाया था, जिस समय डॉ. थियोडोर विलियम्स हमारी मासिक पत्रिका, अरईकूवल के संपादक के रूप में काम करते थे। बाद में 1974 में हमारे संगठन के तत्कालीन महासचिव डॉ. एमिल जेबासिंग ने नए शामिल हुए कलाकार, श्री नवनीत अन्नान को मार्क 16:15 की आयत से प्रेरित होकर एक नया प्रतीक डिज़ाइन करने के लिए प्रोत्साहित किया, "सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार का प्रचार करो।" एमिल अन्नान ने प्रतीक को लेकर निम्नलिखित व्याख्या दी:

1. प्रतीक के केंद्र में क्रॉस: क्रॉस यीशु मसीह का प्रतिनिधित्व करता है, जो परमेश्वर का मेमना है जो दुनिया के पापों को दूर करता है। यह दर्शाता है कि यीशु मसीह हमारे आंदोलन का मूल और अगुवा है।

2. क्रूस के नीचे बाइबिल: बाइबिल का मुख्य संदेश क्रूस है, और उसका वचन सुसमाचार है। पवित्र बाइबिल हमारे विश्वास की नींव के रूप में कार्य करती है। हमारी सभी सेवकाईयाँ और योजनाएँ परमेश्वर के वचन में निहित हैं।

3. बाइबल के नीचे का विश्व मानचित्र: विश्व मानचित्र, पूरे विश्व में सुसमाचार फैलाने के मिशन का प्रतीक है।

4. संसार को घेरा हुआ तुरही: यह दर्शाता है कि प्रत्येक मसीही को तत्परता के साथ सुसमाचार का प्रचार करने के लिए बुलाया गया है।

5. प्रतीक के चारों ओर आठ तीर के निशान: ये तीर सभी आठ दिशाओं–उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और चार अंतर–दिशाओं में सुसमाचार फैलाने के आह्वान को दर्शाते हैं। प्रत्येक चिह्न पर "जाओ" या "भेजो" शब्द अंकित हैं, जो मिशन पर और अधिक जोर देते हैं। ये तीर मार्क 16:15 की आयत से प्रेरित हैं। बाद में श्री किंग्सले अरुणोदय कुमार ने प्रतीक को नया रूप दिया।

क्रॉस दुनिया के लिए सुसमाचार का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि तुरही इसे घोषित करने के

आह्वान का प्रतीक है, और आठ तीर सुसमाचार को फैलाने की दिशा और तात्कालिकता को दर्शाते हैं। यह वह दृष्टि है जिसे भाई नवनीत अन्नान ने अपने डिज़ाइन में कैद किया है। इस समझ के साथ, हमें बाइबल को अपने जीवन का केंद्र बनाने, मसीह के लिए प्रयास करने और क्रॉस और सुसमाचार का प्रचार करने के लिए किसी भी दिशा में जाने के लिए तैयार रहने की याद दिलाती है, चाहे कितनी भी बाधाएँ क्यों न हों। यह प्रतीक इस संगठन के प्रत्येक सदस्य के कर्तव्य और जिम्मेदारियों को निभाने पर जोर देती है। जिन लोगों को पूर्णकालिक के लिए नहीं बुलाया गया है, उनके लिए प्रार्थना के माध्यम से इस मिशन का समर्थन करना अभी भी महत्वपूर्ण भूमिका है। यीशु मसीह हमें बिना रुके क्रूस की सेवा करने के लिए बुलाते हैं, जब तक कि कलवरी का प्यार हर व्यक्ति को पता न चल जाए। आईए, इस प्रतीक के महत्त्व की गहरी समझ के साथ, समर्पण और उत्साह के साथ परमेश्वर की सेवा करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें।

आशा और समर्थन लाना

वायनाड भूस्खलन में बचे लोग

वायनाड में भूस्खलन एक बहुत बड़ी त्रासदी थी। 30 जुलाई, 2024 को सुबह–सुबह दो लगातार भूस्खलन हुए, जिससे व्यापक तबाही हुई। हजारों लोगों की दुःखद मौत तब हुई जब वे सो रहे थे। इस आपदा ने केरल राज्य, वायनाड़ जिले, मेप्पाड़ी पंचायत और मुंडाकई और सुरलमलाई गाँवों को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया।

परमेश्वर की अनुग्रह से, हमने तुरन्त उस क्षेत्र का दौरा करने और प्रभावित लोगों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुए। 16 दिसंबर को, रेव्ह. थॉमस मैथ्यू, रेव्ह. अब्राहम थॉमस, रेव्ह. बाबू एवं रेव्ह. गोल्डन जोय इनबाराज ने फिर से क्षेत्र का दौरा करने और कुछ प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए एक दल का गठन किया। हम 30 प्रभावित परिवारों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करके उन्हें सहायता देने के लिए चार लाख रुपये तक आवंटित करने की योजना बना रहे हैं।

कृपया प्रार्थना करें कि ये जरूरतें पूरी हों, और प्रभावित लोगों को यीशु मसीह के प्रेम में सांत्वना और आशा प्राप्त हो।

रेव्ह. गोल्डन इनबाराज – क्षेत्रीय मोबिलाइजेशन सचिव – कालीकट

परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा की सेवा नित करूँगा (यहोशू 24:15)

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल बेंगलूरू -SCAN

पारिवारिक आध्यात्मिक रिट्रीट

मूल विषय : इनसे बढ़कर (यूहन्ना 21:15)

23 फरवरी 2025 रविवार 11 बजे प्रात: से 5 बजे संध्या

अतिथि वक्ता:
रेव्ह. डी. पॉल सोलोमन (एफ.एम.पी.बी.--चेन्नई)

अध्यक्ष :
रेव्ह. सतीश तिमोथि पौल
(प्रेसिबटर इनचार्ज)

स्थान:
सी. एस. आई. संत लूक चर्च,
धामराजपेट, बेंगलूरु

रजिस्ट्रेशन:
व्यस्क ₹ 50
बच्चे ₹ 30

सभी मसीही
प्रार्थना करें भाग लें और
परमेश्वर की आशीष प्राप्त करें

बच्चों के लिए अलग सत्र।

सम्पर्क करें: 7889050020, 7589229388
Email: justin.y@dmpb.org

FINANCE DEPARTMENT

Online Banking

FMPB Bank Account details for sending the offering through online transaction

A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb01@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Vijayalakshmipuram, Ambattur

Kindly contact us: **fnance@fmpb.org, WhatsApp: 7904648270**

QR Code

facilities to send y our off ertory

Kindly avail the BARCODE facility also to send your offertory to the ministries of FMPB.

मिशनरी समर्पण

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल के पश्चिमी मुंबई प्रार्थना दल की ओर से, महाराष्ट्र के कंदेश क्षेत्र में काम करने वाले हमारे मिशनरी परिवार का समर्पण 12/01/2025 को तमिल मेथोडिस्ट चर्च, ठाणे के पादरी रेव्ह. एस. रथिनामोनी द्वारा इवेंजेलिकल लूथरन चर्च ऑफ इंडिया में किया गया। श्री गॉडविन धर्मसीलन और आमेन कुलम प्रार्थना दल हर दिन अपनी प्रार्थनाओं के साथ इस मिशनरी परिवार का समर्थन कर रहे हैं।

रेव्ह. आर. अरुलमणि
– मोबिलाइजेशन सचिव – पश्चिमी मुंबई

मिशनरी लक्ष्य हजार 2030

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल एक जीवंत और बढ़ता हुआ आंदोलन है, जो युवा पुरुषों और महिलाओं को एकजुट करता है, जिन्हें भारत में विभिन्न जातीय समूहों के बीच सेवा करने और उनके संदेश को फैलाने के लिए ईश्वर का आह्वान मिला है। इस देश में मसीह के मिशन को पूरा करने के लिए हजारों उत्साहित व्यक्तियों की आवश्यकता है। यह दर्शन तब पैदा हुई जब तमिलनाडु मोबिलाइजेशन मिशनरी और अन्य प्रार्थना समूह के अगुवे परमेश्वर के मार्गदर्शन की मांग करते हुए प्रार्थना में एकत्र हुए थे। मिशन का उद्देश्य वर्ष 2030 तक 1,000 नए युवा मिशनरियों की पहचान करना और उन्हें भेजना है, ताकि उन्हें भारत के उद्धार के लिए विभिन्न संस्कृतियों के बीच में काम करने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

इस ईश्वर–प्रदत्त दर्शन को पूरा करने के लिए हमें आपकी प्रार्थनाओं की तत्काल आवश्यकता है। जैसा कि मत्ती 9:38 हमें स्मरण दिलाती है, **"खेत के स्वामी से विनती करो कि वह अपने खेत काटने के लिए मजदूर भेज दे।"**

कृपया इस दर्शन को अपने समुदाय के मसीही युवाओं के साथ साझा करें, खास तौर पर उन युवाओं के साथ जिन्होंने अपनी 12वीं कक्षा या कॉलेज की शिक्षा पूरी कर ली है। उन्हें हमारे द्वारा आयोजित युवा सभाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, जहाँ वे अधिक सीख सकते हैं और सेवकाई में शामिल हो सकते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए, बेझिझक हमसे संपर्क करें।

आईए हम विशेष रूप से निम्नलिखित के लिए प्रार्थना करें

- मसीही युवाओं को स्पष्ट मिशनरी बुलाहट और दर्शन प्राप्त हो।
- खोई हुई आत्माओं के उद्धार के निमित गहरी चिंता।
- युवाओं को सेवकाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से दूर रखने वाली सभी बाधाएँ दूर हों।
- ईसाई माता–पिता अपने बच्चों को परमेश्वर की सेवा और उसके कार्य के लिए समर्पित करें।

साथ मिलकर, हम इस महत्वपूर्ण मिशन को पूरा करने में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

रेव्ह. डैनियल थॉमस – सचिव – तमिलनाडु एवं पोंडी मोबिलाइजेशन

गिरजा घर का संस्कार

परमेश्वर की महान कृपा से, 13 लोगों का एक समूह असम राज्य में वहाँ काम कर रहे सभी मिशनरियों से मिलने, उनका उत्साहवर्धन करने और उनके साथ प्रार्थना करने गए। श्री जॉन धनराज, श्रीमती अमुथा रोजलिन और बच्चों के परिवार श्रीमती करुण्या रॉयल परिवार और मदुरै की श्रीमती एमिमा जूलियन परिवार द्वारा जोनाई क्षेत्र के राकुट को के. गाँव में निर्मित एक कलीसिया भवन का संस्कार 15/09/2024 को ईश्वर की महिमा के लिए किया गया। श्री राकेश पेगु नामक एक विश्वासी ने निर्माण के लिए उदारतापूर्वक दान दिया, बहुत सी जमीन मुफ्त में दी थी। लगभग 80 लोगों ने इस संस्कार कार्यक्रम में भाग लिया और परमेश्वर की महिमा की। संस्कार कार्यक्रम की व्यवस्था मिशनरियों द्वारा सुन्दर तरीके से की गई थी।

श्री इसहाक धनासिंह
– मोबिलाइजेशन मिशन सचिव,
मदुरई

परमेश्वर की अनुग्रह से, 06/10/2024 को, श्री बालामुरुगन ने छत्तीसगढ़ के पत्थलगाँव क्षेत्र के भगनाथगर गाँव में नवनिर्मित मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल ट्रिनिटी चर्च का लोकार्पण किया। यह चर्च श्री किशोर मसीलामणि के परिवार की ओर से बनाया गया था जो संयुक्त राज्य अमेरिका में काम करते हैं। श्री किशोर मसीलामणि ने चर्च का उद्घाटन किया। चेन्नई से श्रीमती किशोर के पिता श्री अरसासिंह सोलोमन ने उस ट्रिनिटी चर्च में उद्घाटन पत्थर का अनावरण किया। कार्यक्रम में कलीसिया के विश्वासियों की भीड़ उमड़ पड़ी और परमेश्वर की महिमा और स्तुति की। परमेश्वर की महिमा हो!

श्री एम. योगराज
– मोबिलाइजेशन सचिव,
अम्बात्तूर

सूचना

तकनीकी कारणों से जनवरी 2025 का हिन्दी अंक "मित्र समाचार" प्रकाशित नहीं हो सका। हमारे पाठकों को यह अंक नहीं मिलने से हमें खेद है।

अब बिक्री के लिए!

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल द्वारा प्रकाशित

परमेश्वर के महान पुरुष एवं महिलाएँ

क्या आप ने इन पुस्तकों को खरीदी है?

वर्तमान में कलीसिया द्वारा सामना किए जा रहे चुनौतियों को जानने और इस पर विश्लेषण करने के लिए इस नए प्रकाशन को खरीदें और आशीषित हों।

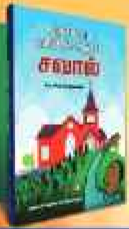

भाग 1

यह उन 50 विदेशी मिशनरियों की जीवनी संकलन है, जो सुसमाचार का प्रचार करने के लिए दुनिया भर में गए।

भाग 2

यह हमारे उन 10 प्रसिद्ध मिशनरियों की जीवनी संकलन है जिन्होंने एफ.एम.पी.बी. की अगुवाई में और इस पृथ्वी पर अपनी दौड़ को सफलतापूर्वक पूरी की है।

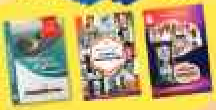

एफ.एम.पी.बी. के मील के पत्थर को जानने के लिए हमारा प्रकाशन पके खेत तो बहुत हैं नामक पुस्तक हमारे पास उपलब्ध है।

भरपूर फसल

एम.एम.पी.बी. के 50 वर्षों का संक्षिप्त इतिहास

- यह एक अच्छी हस्तपुस्तिका है, जो 21वीं सदी में एफ.एम.पी.बी. के माध्यम से भारत में मिशनों के इतिहास में परमेश्वर के विश्वासयोग्यता की महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डालती है।
- यह एफ.एम.पी.बी. की उत्पत्ति के बारे में है। इसके संस्थापक अगुवों और सदस्यों, भारत में चर्च की वृद्धि आदि के बारे में है।
- यह 160 पृष्ठों का एक दुर्लभ संकलन है, जिसे सभी मिशनरी मसीहियों को एक खजाने के रूप में गर्व के साथ अपने पास रखनी चाहिए।
- भारत में मिशनों के इतिहास में परमेश्वर के महान कार्यों के बारे में इस पुस्तक को पढ़कर ईश्वर की महिमा करें और आशीषित हों।
- दान रु. 30/– मात्र
  (केवल सीमित प्रतियाँ उपलब्ध हैं)

खुंजन कलीसिया का इतिहास

हनुमानगढ़ मिशन क्षेत्र, राजस्थान प्रदेश अगस्त 2019 से आरम्भ

द्वारा लिखित:
श्रीमती एग्नेस एडवर्ड

हनुमानगढ़ मिशन क्षेत्र 24.10.1974 को खोला गया था, इस मिशन क्षेत्र के अग्रणी मिशनरी श्री आई. गेर्शोम, श्री जिमसन और श्री दुरैराज परिवार थे। अग्रणी मिशनरियों ने अपने सेवकाई के माध्यम से खुंजन गाँव में कुछ संपर्क बनाए। परन्तु उन लोगों ने मसीह को स्वीकार नहीं किया। श्रीमती लीला क्रिस्टोफर (13.4.1980 को निधन) और श्री एडवर्ड ज्ञानमुथु (7.6.1990 को निधन) के हनुमानगढ़ की धरती पर गेहूँ के दाने के रूप में गिरने के बाद, परमेश्वर ने 1994 में श्री रॉबर्ट विलियम और श्री जॉनसन तमिलसेल्वन परिवारों के कार्यकाल के दौरान खुंजन गाँव में सुसमाचार के लिए द्वार खोला। परमेश्वर ने खुंजन में दिखाई गई जीज़स फिल्म के माध्यम से लोगों के दिलों को छुआ।

मार्च 1994 की हनुमानगढ़ प्रार्थना रिपोर्ट में मिशनरियों ने लिखा था: "खुंजन गाँव में हम जीसस फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए तैयारी कर रहे थे। अचानक एक आदमी आया और उसने हमसे फिल्म न दिखाने को कहा और कुछ मिनट बाद वह वहाँ से चला गया। बिना किसी बाधा के हमने जीज़स फिल्म दिखाई।"

आरम्भ में कुछ राय सिक्ख सुसमाचार के प्रति ग्रहणशील थे। मिशनरियों की मुलाकात खुंजन गाँव की श्रीमती अक्कोबाई नामक महिला से हुई, जिन्होंने श्री कश्मीर सिंह के परिवार का परिचय कराया। खुंजन के श्री कश्मीर सिंह ने पंजाब में मसीह को स्वीकार किया था। उन्होंने अपने कुछ रिश्तेदारों का परिचय कराया। मई 1994 में उनके घर पर जीज़स फिल्म दिखाई गई। अप्रैल 1994 में, श्री रॉबर्ट विलियम परिवार का तबादला कर दिया गया और श्री ब्राइट जेयाकुमार परिवार श्री जॉनसन तमिलसेल्वन परिवार के साथ 3. जून.1994 को हनुमानगढ़ की सेवकाई में शामिल हो गए।

खुंजन गाँव में श्रीमती अक्कोबाई के बेटे श्री महेंद्र सिंह को शराब की लत थी। हर महीने वह शराब पीने में 2000 रुपये खर्च कर देता था। प्रार्थना के बाद जब भी वह शराब पीता तो उसे उल्टी हो जाती थी। इसलिए उसने शराब पीना छोड़ दिया और यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया। कश्मीर सिंह और श्रीमती अक्कोबाई तथा श्री महेंद्र सिंह के घर पर अक्सर रात्रि सभाएँ होती थीं। खुंजन गाँव के एक और निवासी, श्री प्रेम सिंह और

उनके परिवार के सदस्यों ने भी जीजस फिल्म देखी और यीशु मसीह को स्वीकार किया। उनके बेटे, श्री जंगीर सिंह ने बताया कि उनके परिवार ने किस तरह यीशु मसीह को स्वीकार किया – '

'मेरे पिता, श्री प्रेम सिंह पंजाब में मेरे चाचा के घर गए थे। मेरे चाचा ऐ विश्वासी थे। एक दिन अमन नाम के एक लड़के को साँप ने काट लिया। मेरे चाचा, चांद सिंह ने लड़के के लिए प्रार्थना की और वह ठीक हो गया। मेरे पिता जीजस की सामर्थ्य को देखकर हैरान थे और मेरे पिता यीशु मसीह पर विश्वास करने लगे। उन्होंने घर आकर हम सबको यह घटना बताई। मेरी छोटी बहन, परनजीत अक्सर किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त रहती थी। मेरे पिता उसे कई तांत्रिकों के पास और हर जगह ले गए जहाँ लोग सुझाव देते थे। परन्तु वह अपनी बीमारी से ठीक नहीं हुई। एक मिशनरी, श्री जॉनसन तमिलसेल्वन हमारे गाँव आए और उन्होंने दो–तीन बार जीजस फिल्म दिखाई। हमने फिल्म देखी और जिस गाँव में उन्होंने फिल्म दिखाई, हम वहाँ फिल्म देखने गए। फिल्म के माध्यम से हमें प्रभु के बारे में और अधिक जानकारी मिली। पास्टर जॉनसन ने हमें मसीह के बारे में बताया परन्तु मेरे पिता ने हमसे कहा कि अगर मेरी बहन ठीक हो जाएगी तो हम मसीह को स्वीकार कर लेंगे। उन्होंने हमारे लिए प्रार्थना की और उन्होंने तेल और पानी की एक बोतल पर प्रार्थना की और उन्होंने हमें इसे मेरी बहन पर लगाने के लिए कहा। धीरे–धीरे मेरी बहन ठीक हो गई और परमेश्वर ने हर क्षेत्र में हमारी मदद की जहां हम संघर्ष कर रहे थे। इसलिए हम सभी ने मसीह को स्वीकार कर लिया। मेरे पिता और माँ 12.7.1994 को कलीसिया में शामिल हो गए।

"बाद में 11.अगस्त 1995 को श्री प्रेम सिंह के तीनों बच्चे भी चर्च में शामिल हो गए। 12.जुलाई. 1994 को खुंजन गाँव के 20 राय सिक्खों ने मसीह को स्वीकार किया। इन 20 लोगों में श्रीमती अवकोबाई का परिवार और उनके बच्चे, श्री कश्मीर सिंह का परिवार, श्री गोपाल सिंह परिवार और श्री प्रेम सिंह परिवार शामिल हैं। जुलाई 1994 में खुंजन गाँव में श्री ब्राइट जेयाकुमार और श्री जॉनसन तमिलसेल्वन द्वारा श्री प्रेम सिंह के पड़ोस में एक किराए के घर में एक आराधना सभा शुरू की थी। पहली ही आराधना सभा में 20 लोगों ने भाग लिया।

कलीसिया का विकास

धीरे–धीरे और लगातार खुंजन मण्डली की सामर्थ्य बढ़ती गई क्योंकि लोगों ने चमत्कार और मुक्ति का अनुभव करना शुरू कर दिया। मिशनरी, श्री ब्राइट जेयाकुमार ने जनवरी 1995 की हनुमानगढ़ प्रार्थना रिपोर्ट में इस प्रकार लिखा था: "खुंजन गाँव की श्रीमती शांति को एक दुष्ट आत्मा ने सताया था। विश्वासियों द्वारा उसके लिए प्रार्थना करने के बावजूद, उसे मुक्ति नहीं मिली। इसलिए 29 दिसंबर की सुबह 12.30 बजे विश्वासी हमारे घर आए और हमें प्रार्थना के लिए बुलाया। हम तुरंत उनके साथ गए और श्रीमती शांति के लिए प्रार्थना की और प्रभु ने उन्हें छुटकारा दिया।"

फरवरी 1995 की प्रार्थना रिपोर्ट के अनुसार, "सुरेशिया में, विश्वासी श्री कला सिंह और उनके परिवार के बच्चे नहीं थे। श्रीमती धनोबाई कला सिंह ने पहले 8 बार गर्भपात करवाया था। उन्होंने 12.जुलाई 1994 को मसीह को स्वीकार किया और उन्होंने इसके लिए प्रार्थना की। प्रभु ने उन्हें 24.जनवरी 1995 को एक बालक का आशीर्वाद दिया। उस बालक का नाम सामुएल जेसुवीर रखा गया।"

दो साल तक किराए के घर में आराधना संचालित की गई। फिर नवंबर 1996 में एक छोटा सा प्लॉट (35X50) खरीदा गया और विश्वासियों ने एक कच्चा प्रार्थना कक्ष बनवाया। इसलिए आराधना सभा को प्रार्थना कक्ष में स्थानांतरित कर दिया गया। रविवार की पूजा में खुंजन, तिब्बी और सुरेशिया के विश्वासीगण शामिल हुए।

कलीसिया के अगुवे, श्रीमती नीलम अपनी गवाही सुनाती हैं

"मैं गांधी नगर, हनुमानगढ़ जंक्शन की नीलम हूँ। मैं अपने इलाके में एक दुकान चलाती थी। हमें अपनी दुकान से कोई लाभ नहीं मिलता था। हम आर्थिक रूप से बहुत संघर्ष करते थे। हमारे किराएदार, श्री बाबू ने हमें एक मसीही रेडियो कार्यक्रम के बारे में बताया जो उन्हें आंतरिक शांति देता था। इसलिए मैंने रेडियो कार्यक्रम सुनना आरम्भ कर दिया और शांति का अनुभव होने लगा। मेरे साले के परिवार ने खुद से पहले मसीह को स्वीकार कर लिया और मेरे साले के बेटे, गिरीश ने हमें यीशु मसीह और इस खुंजन चर्च के बारे में बताया। मेरे पति हमारे सबसे बड़े बेटे के बारे में चिंतित थे। क्योंकि उसके तौर–तरीके अच्छे नहीं थे। मेरे पति और मेरा बड़ा बेटा पहले कलीसिया में शामिल हुए। दो महीने बाद, मैं कलीसिया में शामिल हो गई। मैं उस समय पित्ताशय की पत्थरी से पीड़ित थी। पादरी रेव्ह. ब्राइट जेयाकुमार की प्रार्थनाओं के माध्यम से, मैं पित्ताशय की पत्थरी से चंगी हो गई। मुझे कोई ऑपरेशन नहीं करवाना पड़ा। परमेश्वर ने हमारे परिवार की हर संकट में मदद की है और ईमानदारी से हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। चार साल पहले मेरे पति का निधन हो गया परन्तु परमेश्वर अभी भी हमें संभाल रहे हैं। हमारे इलाके के लोग हमारे घर प्रार्थना के लिए आते हैं और दो परिवारों ने हमारे माध्यम से मसीह को स्वीकार किया है। परमेश्वर की स्तुति हो।"

बावरी समुदाय से श्री कृष्ण सिंह की पत्नी राजेंद्र कौर अपनी गवाही सुनाती है

"मैं खुंजन गाँव से राजेंद्र कौर हूँ। बचपन में मेरी सौतेली माँ ने मुझे बहुत सताया और मुझे बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मेरे पिता राजस्थान रोडवेज में काम करते थे। पिता की मृत्यु के बाद मुझे पिता की नौकरी मिल गई। दूसरे प्रसव के बाद मुझे यह बीमारी हो गई। मेरे पूरे शरीर पर त्वचा रोग हो गया। मेरी त्वचा पर बड़े–बड़े फोड़े थे। मेरी पड़ोसी की एक विश्वासिनी श्रीमती कलावती ने मुझे मसीह के बारे में बताया और मैंने कलीसिया में जाना शुरू कर दिया। प्रार्थनाओं के माध्यम से मैं त्वचा रोग से चंगी हो गई। इसलिए मैंने मसीह को स्वीकार कर लिया और मैंने 23.6.2013 को पादरी श्री अरुलराज एबेनेजर द्वारा बपतिस्मा ली। मेरा सबसे बड़ा बेटा अस्थमा से बुरी तरह प्रभावित था। प्रार्थना के माध्यम से परमेश्वर ने अपनी अनुग्रह से उसे भी चंगाई दी। परमेश्वर की स्तुति हो।"

खुंजन चर्च के पड़ोस में रहने वाली श्रीमती चिंदर कौर अपनी गवाही साझा करती है

"हमारा बेटा गुरुबचन शराब पीने का आदी था। वह मेरी बहू, मेरे पति और मुझसे मारपीट करता था। वह बुरे दोस्तों की संगत में था और जुए में पैसे उड़ाया करता था। वह जो भी पैसा कमाता था, वह शराब और जुए में उड़ा देता था। हमारे परिवार में शांति नहीं थी। चूँकि चर्च हमारे घर के पास था, इसलिए मैंने चर्च में जाकर अपने परिवार के लिए प्रार्थना की। मैंने प्रभु में अपना विश्वास रखा। मेरी बहू भी चर्च में आने लगी और

हमने 30.9.2015 को अपने पोते–पोतियों के साथ यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया। प्रार्थनाओं के माध्यम से, परमेश्वर ने मेरे बेटे गुरुबचन का जीवन को बदल दिया। उसकी शराब की लत कम हो गई और उसने हमें मारना–पीटना बंद कर दिया। साथ ही परमेश्वर ने उसकी बुरी संगति को खत्म कर दिया और उसने जुआ खेलना बंद कर दिया। 2016 में गुरुबचन ने श्री 1.1.2016 को यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया। परमेश्वर ने हमारी सभी प्रार्थनाएँ सुनीं और उसने हमारे परिवार को स्वर्गीय शांति से भर दिया है। पहले हम मिट्टी के घर में रहते थे परन्तु अब परमेश्वर ने हमें पक्का घर बनाने में मदद की और उसने हमें मवेशी भी दिए हैं। परमेश्वर की स्तुति हो।"

मण्डली एवं समुदाय

खुंजन मण्डली के सदस्य निम्नलिखित गाँवों से हैं: जंडावाली, खेरूवाला, गांधीनगर, सुरेशिया, मक्कासर, टाउन, कोला, किशनपुरा, अमरपुरा, टिब्बी, मसानी, मानकसर, नवां, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और खुंजन। इस कलीसिया के सदस्य राय सिक्ख, मजबी सिक्ख, जाट सिक्ख, बावरी और बनिया समुदायों से हैं।

कलीसिया की भूमि

नवंबर 1996 में 35X50 क्षेत्रफल वाला एक छोटा प्लॉट 15,600 रुपये में खरीदा गया और उस पर एक कच्चा चर्च बनाया गया। चूंकि प्लॉट बहुत छोटा था, इसलिए इसे बेच दिया गया और 23 फरवरी 1998 को श्री कश्मीर सिंह और श्रीमती अक्कोबाई से 39,000 रुपये में एक नया प्लॉट खरीदा गया। बाद वाले में एक पक्का चर्च बनाया गया है। सामने की तरफ जमीन की चौड़ाई 54 फीट और पीछे की तरफ 56 फीट है। प्लॉट की लंबाई 87 फीट है।

कच्चा चर्च

प्रार्थना के साथ, 31.10.1996 को कच्चे चर्च की नींव रखी गई। आराधना करने के लिए खुंजन के विश्वासियों द्वारा एक कच्चा प्रार्थना कक्ष बनाया गया था। 24.12.1996 को धन्यवाद प्रार्थना आयोजित की गई और रेव्ह. ब्राइट जेयाकुमार द्वारा कच्चा प्रार्थना कक्ष का संस्कार किया गया। इस प्रार्थना कक्ष में हर सप्ताह रविवार की सेवाएँ आयोजित की जाती थीं।

पक्का चर्च का निर्माण

चर्च का नाम सेंट जॉन सत्संग भवन रखा गया है। 8 मार्च 1998 को रेव्ह. ब्राइट जेयाकुमार द्वारा खुंजन चर्च की आधारशिला रखी गई थी। एक प्रार्थना सभा भी आयोजित की गई जिसमें खुंजन, टिब्बी और सुरेशिया के विश्वासियों ने भी भाग लिया था। आधारशिला रखे जाने के बाद, मिठाइयाँ भी बाँटी गईं। चर्च का आकार 44X22 है। 23 मई 1999 को खुंजन चर्च को परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित कर दिया गया। साथ ही, हनुमानगढ़ सेवकाई (1974–1999) की रजत जयंती भी मनाई गई।

कलीसिया की गतिविधियाँ और जानकारी

चर्च समिति में 8 सदस्य हैं। श्री जंगीर सिंह चर्च सचिव हैं और श्रीमती राजेंद्र कोषाध्यक्ष हैं। समिति के सदस्यों को विश्वासियों द्वारा चुना जाता है। लोग कलीसिया में दशमांश, प्रथम फल अर्पण, मन्नत अर्पण, पूजा अर्पण और धन्यवाद अर्पण के रूप में चढ़ावा लाते हैं। खुंजन चर्च का मासिक दान लगभग 2800 रुपये है।

प्रार्थना बिंदु

1. हनुमानगढ़ में कई स्वतंत्र पास्टरगण हैं जो झूठे सिद्धांतों का प्रचार करते और हमारे विश्वासियों को अपनी ओर करने को प्रयास करते हैं।
2. मसीही धर्म के बारे में फैली हुई गलत धारणाओं को मिटाया जाए।
3. वैवाहिक समस्याएँ।
4. परिवार और समुदाय द्वारा विश्वासियों का विरोध।

पथ प्रदर्शक

ऐलिस ब्राउर
(1938 - 2024)

अमेरिकी मिशनरी एलिस ब्राउर, जिन्होंने अपने जीवन के 60 से अधिक वर्ष अम्बुर में कुष्ठ रोग, तपेदिक और पोलियो उन्मूलन के लिए समर्पित किए, को गुरुवार को बेथेसदा अस्पताल के परिसर में दफनाया गया। ब्राउर का 30 सितंबर, 2024 को 87 वर्ष की आयु में, अब बंद हो चुके अस्पताल परिसर में स्थित उनके बंगले में, आयु–संबंधी कारणों से निधन हो गया।

1938 में नगरकोइल में जन्मी ब्राउर रिचर्ड हेनरी ब्राउर की चौथी संतान थीं, जो 1925 में संयुक्त राज्य अमेरिका से भारत आए थे। वे नगरकोइल में बस गए, **कॉनकॉर्डिया थियोलॉजिकल सेमिनरी (CTSN)** में अध्ययन की और मिशनरी कार्य में लगी रहीं। एलिस ने चिकित्सा की पढ़ाई करने के लिए अमेरिका लौटने से पहले कुन्नूर और ऊटी में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की।

भारतीय इवेंजेलिकल लूथरन चर्च (IELC) के तहत अंबुर में बेथेसदा अस्पताल में सेवा करने के लिए भारत लौटीं, तो उन्हें इस क्षेत्र में गरीबी और खराब स्वास्थ्य स्थितियों ने बहुत प्रभावित किया। उन्होंने अमेरिका स्थित **मिसौरी सिनोड मिशनरी सोसाइटी** द्वारा नियुक्त एक स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में काम करना चुना। 1968 में, उन्होंने बीमार, गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुँचना शुरू की, चिकित्सा देखभाल प्रदान की और यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार की। उसी समय से, वह अपनी मृत्यु तक अस्पताल परिसर में ही रहीं।

अपने छह दशकों के करियर के दौरान, एलिस के काम ने 60 से ज्यादा गाँवों तक पहुँची और स्थानीय समुदायों में कई लोगों

के जीवन को बदल दिया। वह अंबूर के लोगों के लिए आशा की किरण बन गई, चिकनपॉक्स, काली खाँसी (पर्टुसिस), हैजा और पोलियो जैसी बीमारियों के प्रकोप के दौरान देखभाल की पेशकश की। ऐसे समय में जब टीकाकरण कार्यक्रम अपनी प्रारंभिक अवस्था में थे, वह अंबूर और वानियमबाडी में निवारक देखभाल और बाल स्वास्थ्य सेवा की वकालत करने वाली एक अग्रणी महलिा थीं।

"अम्बूर की मदर टेरेसा, "ब्राउन अम्मा" और "मिसियाम्मा" के नाम से जानी जाती थी, वे अपनी दयालुता और करुणा के लिए भी जानी जाती थीं। स्थानीय लोगों का मानना था कि उन्हें अपने गाँवों में जीप चलाते हुए देखने से ही बीमारी पैदा करने वाली बुरी आत्माएँ दूर हो जाती थीं।

एलिस ने अप्रशिक्षित दाइयों और नकली डॉक्टरों द्वारा उत्पन्न खतरों से निपटने के लिए संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नवजात और प्रसवोत्तर देखभाल को भी प्रोत्साहित किया और टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई। हालाँकि शुरू में समुदाय से अविश्वास और अनिच्छा का सामना करना पड़ा, परन्तु उनके लगातार प्रयासों ने बर्जनाओं को तोड दिया, और पाँच वर्षों के भीतर, अस्पताल में रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। श्रमिकों की एक छोटी लेकिन समर्पित टीम ने उनके मिशन का समर्थन किया।

उनकी करुणा लोगों से परे भी फैली हुई थी। एक बार, एक खानाबदोश व्यक्ति उनके पास बिक्री के लिए एक मोरनी का अंडा लेकर आया। उन्होंने उसे खरीदी और अपनी मुर्गियों के बीच सेते हुए उस पक्षी का नाम **इंदुमती** रखा। उन्होंने कुत्तों के एक झुंड की भी देखभाल की, हर एक का नाम रखा और उनके साथ प्यार से पेश आईं।

1972 से 1974 तक एलिस के साथ काम करने वाले एमलिन चंद्रा ने एक शोक संदेश में उनका वर्णन ऐसे व्यक्ति के रूप में किया, जिसने "गरीबों और जरूरतमंदों, बच्चों, बीमारों और मरने वालों की सेवा करते हुए एक सुंदर, ईश्वरीय जीवन जिया। उसने अपना परिवार छोड़ दिया और अंबुर में हर आत्मा को अपनाई।"

एलिस 2003 में 75 वर्ष की आयु में **लूथरन चर्च–मिसौरी सिनॉड (एलसीएमएस)** कैरियर मिशनरी के रूप में सेवानिवृत्त हुईं, लेकिन बेथेसदा अस्पताल में अंशकालिक सेवा जारी रखी। 2017 में गिरने के बाद भी जब वह व्हीलचेयर पर आ गईं, तब भी वह नई माताओं और उनके शिशुओं की मदद करने के लिए समर्पित रहीं।

उनका जीवन और प्रेम, विश्वास और सेवा की विरासत उन सभी लोगों द्वारा याद रखी जाएगी जो उन्हें जानते थे।

मिशनरी समर्पण

हमारे मिशनरी का समर्पणपादरी डेविड राजू गारू द्वारा अदोनाई चर्च में 3 नवंबर 2024 को किया गया। हम चर्च के लिए परमेश्वर की प्रशंसा करते हैं जो प्रार्थनाओं और वित्तीय सहायता के माध्यम से मिशन का समर्थन करने के लिए आगे आया।

हमारा मिशनरी समर्पण 15 जनवरी 2025 को होप इवेंजेलिकल चर्च में ईश्वर की महिमा के लिए किया गया। हम चर्च के नेतृत्व के लिए ईश्वर का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने चर्च से अपने दूसरे मिशनरी को समर्पित करने के लिए प्रार्थनाओं और वित्तीय सहायता के माध्यम से अपना समर्थन दिया है।

हम दिलसुखनगर बैपटिस्ट चर्च के अगुवों, पादरियों और समिति के लिए परमेश्वर का धन्यवाद और प्रशंसा करते हैं कजन्होंने 19 जनवरी 2025 को हमारे मिशनरी का समर्पण के लिए आगे आए। हम उन सभी प्रायोजकों के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं जो प्रार्थनाओं और वित्तीय सहायता के माध्यम से ईमानदारी से समर्थन कर रहे हैं। सारी महिमा परमेश्वर को मिले।

एफ.एम.पी.बी. परिवार – सिकंदराबाद

1
FEBRUARY
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री बेन्जामिन ज्योति
श्री एरोनसिंह नारजरी, श्री शंकर एम.
श्रीमती कांति देवी शिवशंकर

जम्मू

सांबाः अय्यनार डेविड एवं मनप्रीत कौर

स्तुति : 3 गाँवों के 750 लोगों ने सुसमाचार सुना। 15 नए नियम वितरित किए गए। स्तन कैंसर से पीड़ित माँ एस्तेर ने सफलतापूर्वक कीमोथेरेपी करवाई। पंजथला और रायरपुर गाँव के नए परिवार और राखा गाँव के प्रवासी सुसमाचार सुनने में अच्छी रुचि दिखाते हैं। कुटाह गाँव के शिव कुमार, रीता, अनु और सोनिया को दुष्टात्मा के कब्जे से छुटकारा मिली। उन विश्वासियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो नियमित रूप से बाइबल अध्ययन समूहों और महिलाओं की प्रार्थना सभाओं में भाग लेते हैं। कुटाह और चकमांगा के अगुवों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जो अपने गाँव के लोगों को सुसमाचार साझा करने में मदद कर रहे हैं।

प्रार्थना : सांबा जिले के हीरानगर, गगवाल, पोंगवाल, राजपुरा और आस–पास के गाँवों में सुसमाचार के लिए खुले दरवाजे और अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के लिए प्रार्थना करें। महाशा, राजपूत और रामदासी जनसमुदाय के लिए प्रार्थन करें कि वे यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें। जो लोग कूटा गाँव में हमारी रविवारीय आराधना को बंद करने की कोशिश करते हैं और सांबा क्षेत्र में सेवकाई का विरोध करते हैं, उनके पश्चाताप के लिए प्राथना करें। पंजथला गाँव के नए संपर्कों के मसीही जीवन में आगे बढ़ने के लिए। सोनिया को दुष्टात्माओं के कब्जे से मुक्ति और चंगाई मिलने और जन्म से गूंगी कंचन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि प्रभु गाँव के मुखियाओं के हृदय को अनुकूल बनाए और प्रेरित करे ताकि हम मढ़ों में सुसमाचार का प्रचार कर सकें।

आर.एस. पुराः

लुंजलाल सोंगथैट एवं मैरी नेंगनीकिम खोंगसाई

स्तुतिः बॉबी कुमार ने जिंदल गाँव में रविवार की सेवा आयोजित करने के लिए अपना घर खोला है। जिंदल गाँव के 4 परिवारों और सकरानी गाँव के 1 परिवार ने प्रभु को स्वीकार किया है। अकरसक और कुलियन गाँव में आयोजित क्रिसमस कैरोल सेवा के दौरान एकत्र हुए उन गैर–विश्वासी दर्शकों को सुसमाचार सुनाया गया।

प्रार्थनाः आर..एस.पुरा गाँव में एक चर्च बनाने के लिए उपयुक्त जमीन एवं सहयोग मिले। विश्वास से भटके प्रसाद, गाँधी, साहिल, विजय, प्रिया और ज्ञानू के लिए प्रार्थना करे कि वे फिर से विश्वास में लौट आएँ। नूह, रिया, धनु, शोभा, राम और सुनीता मसीह के लिए गवाही का जीवन जीएँ। परमेश्वर तालुकासक गाँव के जगदीशभाई के परिवार को शांति प्रदान करें, जिन्होंने परिवार में अशांति के कारण कलीसियाई आराधना में भाग लेना बंद कर दिया था वे सभी नियमित रूप से आराधना में भाग लें।

2 FEBRUARY

रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती वसंतरानी जॉर्ज
श्रीमती रोज़िला मुसाहारी
श्रीमती जॉयस शोबाना पोन ऑगस्टिन
श्री मार्कस मालतो आर.
श्रीमती मानिनी बेबरता अरताबन
श्री जोसेफ किरुबाकरन एस.

हिमाचल

रामपुरः दोऊजापाओ गुइटे एवं फ्लोरेंस लाम्बुंग

स्तुतिः धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा कार्यक्रम को बाधित करने की योजना बनाए जाने के बावजूद 4 गाँवों में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम सुचारु रूप से चला और इसमें भाग लेने वालों के लिए यह एक आशीर्वाद था। रात्रि जागरण, सुसमाचार सभाएँ, फिल्म शो एवं आउटरीच के माध्यम से 11 गाँवों में 803 लोगों ने सुसमाचार सुना। विश्वासियों की मण्डली में तीन लोग जुड़ गए हैं। हमारे तकलेक चर्च की जमीन मालिक श्यामी देवी की आँखों की सर्जरी सफलतापूर्वक हुई। हमारे प्रचारक कुमदास धीरे–धीरे सीने के दर्द से ठीक हो रहा है। 5 मण्डलियों में आयोजित बाइबल परीक्षा में अच्छी भागीदारी और फीडबैक प्राप्त हुआ।

प्रार्थनाः छठी देवी और उनके पति चेतराम के लिए प्रार्थना करें जो हमारे काशापथ विश्वासियों को गुमराह कर रहा है, ताकि वह अपने बुरे कार्यों का पश्चाताप करे। काशापथ में चर्च निर्माण का प्रस्ताव संबंधित अधिकारियों को दिया गया है, वह सफल हो। भवदीप, तेजराज और रतन को शराब की लत से मुक्ति मिले। संतोष और मीनाराम का विश्वास में आगे बढ़ें। विश्वास से भटके हुए युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने परिवार और चर्च के अनुशासन में वापस आएँ। प्रार्थना करें कि सुसमाचार प्रचारकों के रूप में सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध स्वयंसेवक मिलने और हमारे मौजूदा सुसमाचार प्रचारकों को प्रभु की सेवा में वफादार और विनम्र बने रहें।

करसोगः पवन कुमार एवं प्रभाशिनी देव

स्तुतिः बसंतपुर और पल्याद गाँवों में क्रिसमस कार्यक्रम सफलतापुर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम में लगभग 30 लोगों ने भाग लिया और उनमें से 8 लोगों नेयीशु मसीह को अपने जीवन समर्पित को कर दिया। पल्याद गाँव में के 5 लोगों ने अपने जीवन में मसीह को स्वीकार किया। क्रिसमस से पहले 2 दिनों तक भारी बारिश हुई, परन्तु परमेश्वर ने क्रिसमस के दिन बहुत ही अनुकूल मौसम प्रदान किया। नानक चंद को 4 वें चरण के कैंसर का पता चला था और उन्हें जीने के लिए केवल एक महीने का समय दिया गया था, परन्तु प्रार्थनाओं के कारण उसने 4 महीने पार कर लिया है।

प्रार्थनाः किडनी स्टोन निकालने की सर्जरी के बाद अंजू देवी के स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें। बसंतपुर की मीरा जो लंबे समय से विश्वासी है, अपने विश्वास से भटक गई है, पश्चाताप करे और प्रभु के पास वापस आए। मिशनरी की बेटी एंजेल को ग्रेस एकेडमी स्कूल में दाखिला मिले। प्रार्थना करें कि परमेश्वर स्थानीय प्रचारक उपलब्ध कराए, क्योंकि इस क्षेत्र के लोग बाहरी व्यक्ति को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। प्रभु मिशनरियों को अपने राज्य के लिए और अधिक आत्माओं को जीतने में मदद करें।

3 FEBRUARY

सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मुरुगाम्मल एस्तेर अल्बर्ट प्रभाकरन

एनी:

जिन स्वाम एवं चिंग होईहकिंग

स्तुतिः परमेश्वर की कृपा से क्रिसमस का उत्सव बिना किसी बाधा के मनाया गया और 250 लोगों ने सुसमाचार सुना। प्रभु ने चमत्कारिक रूप से मिशनरी को सड़क दुर्घटना से बचाया। ममता और प्रेमा हमारी आराधना सेवा में नई आ रही हैं। उप–विभागीय मजिस्ट्रेट के लिए जिन्होंने हमें बिना किसी प्रतिबंध के क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी। अवसाद से पीड़ित मनीष को दवाओं और प्रार्थना के माध्यम से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः विनीता के रक्त प्रवाह की बीमारी से चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हमारी संपर्क में नई आई ममता और विजय की पारिवारिक समस्याओं का समाधान के लिए प्रार्थलत्रना करें। ममता की बेटी मानवी की आँखों से पानी आने की बीमारी से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि परमेश्वर बंदाल क्षेत्र में हो रही अप्रत्याशित मौतों को रोके और लोगों को मसीह में आशा प्राप्त हो। प्रेमा देवी को वामेश्वर संतान की आशीष दे। श्यामलाल, मोनलाल, प्यारेलाल, देवमणि और शिव राम के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की ओर लौटें।

रोहरूः

जॉनसन शंकर एवं जेबारानी

स्तुतिः मण्डलियों में क्रिसमस का उत्सव 5 मनाया गया। जीप टीम सेवकाई के माध्यम से 12 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। डायलन देवी, जिन्हें किडनी की बीमारी के लिए डायलिसिस करवाने की सलाह दी गई थी, उनकी प्रार्थनाओं के कारण डायलिसिस करवाए बिना ही वह चंगी हो गई। रोशा लाल को प्रार्थना के माध्यम से मिले उपचार के कारण वह बिना लाठी के सहारे चलने में सक्षम हुआ। रंजीश को परमेश्वर ने बाइक दुर्घटना से बचाया गया। 75 वर्षीय नर्मी को बीमारी से चमत्कारिक चंगाई मिली और अब उनके परिवार ने यीशु पर विश्वास करना शुरू कर दिया है।

प्रार्थनाः आकांक्षा और कल्पना को दुष्टात्माओं के कब्जे से छुटकारा मिले। पेट में ट्यूमर से पीड़ित न्यारू राम को चंगाई मिले। किशनु, जगता, आराकोट, धारा, सत्ता सरज और देवली गाँवों में सुसमाचार के लिए द्वार खुले। शैतानी बंधन में फँसे एक युवा लड़के और उसके परिवार संदीप द्वारा साझा किए गए सुसमाचार को सुनने के बाद मुक्ति प्राप्त करें। दलगाँव गाँव में भुंडा मेला मनाने वाले रोहडू के लोगों के लिए प्रार्थना करें जहाँ प्रत्येक परिवार अंधविश्वासी अनुष्ठानों के लिए बहुत सारा पैसा खर्च करते हैं, ताकि वे सत्य की खोज कर सकें और जीवित प्रभु के मार्ग को पा सकें।

4
FEBRUARY

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जेबाकुमार पेरियासामी

नेरवा: इमानुएल जीबा एवं संगीता जेरिंता

स्तुति : विरोध के बीच नेरवा के मिशन क्षेत्र पर ईश्वर की दया और आशीर्वाद बनी हुई है। भारणु और भंगाल में क्रिसमस आराधना आयोजित की गई और कुछ नए लोग इस सभा में शामिल हुए। क्रिसमस आराधना में शामिल होने वाले विश्वासियों ने रविवार की आराधना सेवाओं में नियमित रूप से शामिल होने का वादा किया। कुपवी क्षेत्र में आउटरीच सेवा के द्वारा सुसामचार प्राचर किया गया और हम सेवकाई को आगे बढ़ाने के लिए कई नए लोगों से संपर्क करने में सक्षम हुए।

प्रार्थना: हमारे विश्वासियों के लिए प्रार्थन करें कि वे विरोध के बीच भी विश्वास में दृढ़ रहें और प्रभु उन्हें साहस दें तथा नियमित रूप से आराधना में उपस्थित हों। भारुणु, बंगाल और अटल चर्चों जागृति और पुनरुद्धार के लिए प्रार्थना करें ताकि विश्वासी गलत सिद्धांतों के कारण धोखा न खाएँ। विमला और पिपला के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

थानेदार:
जेबरसन बी. एवं गायत्री सी.

स्तुति: 8 गाँवों में क्रिसमस कैरोल का आयोजन किया गया और गीतों औरबाईबल के पदों के माध्यम से यीशु मसीह के जन्म का सुसामचार सुनाया गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद विश्वासियों ने उत्साहपूर्वक सेवा में भाग लिया। युवाओं के लिए एक विशेष प्रार्थना आयोजित की गई। तीन लोगों ने यीशु मसीह को स्वीकार किया और अपने विश्वास का परिचय दिया। कुमारसैन राम गाँव की मंजू को परमेश्वर ने बेकरी की दुकान खोलने के लिए सहसयता प्रदान की।

प्रार्थना: झालड़ी गाँव के लिए प्रार्थना करें जहाँ हाल ही में सुसमाचार प्रचार किया गया है वह जीवंत हो और लोग प्रभु को स्वीकार करें। मंजू की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो स्त्री रोग संबंधी समस्या का सामना कर रही है और बहुत कमजोर हो गई है। विश्वास से भटके कपिल परिवार फिर से परमेश्वर की ओर फिरे। यहाँ केवल सर्दियों में ही अवकाशकालीन बाइबिल पाठशाला का आयोजन किया जाता है। प्रार्थना करें कि वी. बी.एस. के आयोजन के लिए उचित स्थान, सुविधाएँ और सहयोग प्राप्त हो।

मुर्दा जिंदा हुआ!

हरियाणा में, जीवन नगर बेस के उप–केंद्र संत नगर में 21 दिसंबर को होने वाले क्रिसमस कार्यक्रम की तैयारियाँ चल रही थीं। साहब के आँगन में एक टैंट लगाया गया था, लाउडस्पीकर लगे हुए थे, और खाना बनाने की व्यवस्था की गई थी। परन्तु 20 दिसंबर को, एक पड़ोसी विश्वासी, जोगंदिर सिंह अचानक बीमार पड़ गया। उन्हें बहुत जल्यादा रक्तस्राव के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया, परन्तु उनके परिवार ने बताया कि उनकी मृत्यु हो गई है। सदमे और दिल टूटने से, विश्वासीगण और सेवक एक साथ इकट्ठे हुए, विश्वास और आँसूओं के साथ प्रार्थना की। परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना सुनी, उसने जोगिंदर को वापस जीवित कर दिया। परिणामस्वरूप, क्रिसमस का कार्यक्रम बहुत ही शानदार और खुशी के साथ आगे बढ़ा, जिससे परमेश्र के नाम की महिमा हुई। हल्लेलूय्याह!

5 FEBRUARY

उपवास प्रार्थना दिवस

बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अर्पुथम सेल्वी विजया
श्री देवनायगम सामुएल
श्रीमती अनुगामी एक्का जाहर साई

पंजाब

जैतु: चितारंजन तांडी एवं तेजस्विता तांडी

स्तुति: दो व्यक्तियों ने अपना पुराना जीवन को त्यागकर मसीह में नया जीवन अपनाया। लगभग 1260 लोगों ने सत्संग, रिट्रीट और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से सुसमाचार सुना। 540 लोगों ने बाजाखाना और जैतु कलीसियाओं में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम में भाग लिया और आशीर्वाद प्राप्त किया। सरोज को हृदय के छेद से चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली। चेन्नई प्रार्थना समूह का जैतु मिशन क्षेत्र में आना एक शिक्षाप्रद अनुभव था। अजीतगिल और बुर्जाथोद जो विश्वास से पीछे हट गए थे पश्चाताप करके फिर से प्रभु के पास लौट आए। राजू, हर्ष सिंह, हरमन सिंह और लवप्रीत सिंह के परिवार अपने विश्वास की स्वीकारोक्ति के लिए तैयार हो रहे हैं।

प्रार्थना: बिक्कर सिंह, कुलजिंदर सिंह, मीनू कौर, करमजीत कौर, केवल सिंह, नरेश कुमार और संजय कुमार के लिए प्रार्थन करें जो सेवकाई का कड़ा विरोध करते हैं यीशु के प्रेम का अनुभव करें। विशाल कुमार और सुरेंदर सिंह को ईश्वर की सेवा ईमानदारी से करने के लिए पवित्र आत्मा का मार्गदर्शन मिले। बाजाखाना में प्रार्थना सभा को फिर से शुरू करने के निमंत्रण मिले। परमजीत, राजू, जसवंत और प्रेम को शराब की लत से छुटकारा मिले। आगामी सेवकाई के फलदायी होने के लिए प्रार्थना करें जिसके परिणामस्वरूप लोगों को नई प्रतिबद्धताएं, नया विश्वास और परिवर्तित जीवन प्राप्त हो।

मनसा: देबब्रता बिश्वास एवं मन्ना सिंह

स्तुति: सत्संग, जीज़स फिल्म शो, आउटरीच सेवा तथा महिला एवं बाल सम्मेलनों के माध्यम से 1680 लोगों ने सुसमाचार सुना। जुन्हीर गाँव के एक व्यक्ति ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। निक्का सिंह का पूरा परिवार लंबे समय के बाद चर्च में वापस आया। मनसा में 4 स्थानों पर क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किए गए। हमारे चर्च के एल्डर गुरदीप सिंह के बेटे की सगाई सफलतापुर्वक हुआ। 5 साल के मुकदमे के बाद, हमारे चर्च के एल्डर सुरजीत सिंह ने अपने पक्ष में केस जीता और न्याय प्राप्त किया।

प्रार्थना: नंदगढ़, बाजावाला और मनसा–केंथिया में आयोजित सत्संगों के फलदायी होने और बहुत से लोगों को मसीह को अपने जीवन में स्वीकार करने में मदद करने के लिए प्रार्थना करें। जसपाल सिंह के परिवार के सदस्यों की सांत्वना के लिए प्रार्थन करें जिनकी मृत्यु उच्च मधुमेह के कारण हुई। गेन्नी कौर एक शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति है, जो अपनी कमजोरी के कारण सरकारी नौकरी में जाने में असमर्थ है और उसके पति ने उसे तलाक का नोटिस भी दिया है, प्रार्थना करें कि ईश्वर उसे पुनः स्वस्थ कर दे। नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में आगे बढ़ें। हमारे मिशनरी मन्ना सिंह की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

6 FEBRUARY

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती पैट्रिशिया तमिल सेल्वी कुमार
श्री हमोम नाबा सिंह

अहमदगढ़ मंडीः

कृपा रक्षणा बर्रे एवं शकिना

स्तुतिः 5 स्थानों पर सत्संग सभा, 10 स्थानों पर कैरोल कार्यक्रम और 2 आउटरीच सेवकाई के अलावा अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से 1200 लोगों ने सुसमाचार सुना। कमलजीत कौर और जशन को एक दशक से अधिक समय तक पीड़ा सहने के बाद पित्ताशय और गुर्दे की पथरी से चंगाई मिली। रोहिरा मण्डली में महिलाओं की प्रार्थना सेल का संचालन बिना किसी रूकावट के नियमित रूप से संचालित की जाती है। हमारे क्रिसमस कार्यक्रम के माध्यम से, 15 गैर–विश्वासियों के बच्चे नियमित रूप से संडे स्कूल में भाग ले रहे हैं।

प्रार्थनाः हमारे समिति के सदस्य छोटीलाल की सास की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो 6 महीने से अधिक समय से बीमार हैं और बिस्तर पर हैं। हमारे विश्वासियों के बीच व्याप्त दीर्घकालीन मतभेद, नए लोगों के चर्च में आने में बाधा बन रहा है प्रार्थना करें कि यह मतभेद दूर हो। जंडाली गाँव में एक आराधना समूह शुरू करने की आवश्यकता है। प्रार्थना करें कि ढालेर में आराधना समूह नियमित रूप से कार्य कर सके। हमारे चर्च के युवाओं को उपयुक्त जीवन मिले।

उत्तराखंड

बाजपुरः क्रिश्चियन प्रकाश एवं सुमित्रा बेन

स्तुतिः 340 लोगों ने पहली बार प्रभु का वचन सुना। 18 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। 15 नए नियम और 4 बाइबलें वितरित की गईं। नम्मुना धोरी गाँव में नए शुरू किए गए आराधना समूह और अहमदाबाद गाँव में बढ़ते सेवकाई के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। विश्वासियों की रात्रि सभाएँ 5 स्थानों पर आयोजित की गईं। गुलशेर सिंह को सीने के दर्द से, शोहिनी को टीबी से, मोनिका के पति को शराब की लत से और सुकविंदर कौर को मानसिक बीमारी से चंगाई मिली। परमेश्वर ने धार्मिक कट्टरपंथियों और असामाजिक तत्वों से हमारे विश्वासियों की रक्षा की।

प्रार्थनाः सौरोज को गुर्दे की पत्थरी एवं पीलिया से मुक्ति मिले। सृष्टि को कुत्ते के काटे चंगाई मिले, तनु को आँख की बीमारी से और बबलू को कान की बीमारी से चंगाई मिले। रेशमा को उसके गर्भाशय को हटाने के ऑपरेशन से जल्दी ठीक होने में मदद मिले। कोमल को स्त्री रोग संबंधी समस्या से चंगाई मिले। श्वेत प्रदर और पेट में सिस्ट से पीड़ित सुकविंदर कौर को ठीक करने तथा नशा जागरूकता कार्यक्रम और वयस्क साक्षरता कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

7 FEBRUARY

शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री दुरैसामी के. फ्रांसिस
श्री प्रशांत मीसाला
श्रीमती पद्मावती नारायण नायक
श्रीमती तनापुष्पम अरुलराज
श्रीमती हेलेन मरियम अरविंद

नानकमत्ताः

वी. रामासामी जेरोम एवं एंटोनी राजम

स्तुतिः नानकमत्ता क्षेत्र के 8 गाँवों में क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 320 लोगों ने भाग लिया और सुसमाचार सुना। दवा लेने के बाद भी 7 वर्षों से अवसाद से पीड़ित पचेकड़ा गाँव को लवजोत को प्रार्थना के माध्यम से चंगाई मिली। राम प्रवेश को शराब की लत से मुक्ति मिली। विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हमारे चर्च एल्डर सतविंदर सिंह को ईश्वरीय चंगाई मिली, जिससे वे क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित करने में सक्षम हुआ। परमेश्वर के वचन ने विमलकुमार को आत्महत्या के विचारों से मुक्ति पाने में मदद की।

प्रार्थनाः 10 वर्षों से अधिक समय से दुष्टात्माओं के हमलों से पीड़ित पवना के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। मानसिक बीमारियों से पीड़ित सरसायनेवेधा गाँव के जिंधर और हरदासपुर गाँव के सरवन के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। बसगर के बलकारसिंह को शराब की लत से मुक्ति मिले। 70 वर्षीय विश्वासी थिरलोकसिंह को उनकी सांस की समस्याओं से चंगाई मिले।

हरियाणा

फतेहाबादः

एस. डेविड एवं जेबा ग्रेस

स्तुतिः इस क्रिसमस के मौसम में लगभग 2300 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 3 लोगों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। क्रिसमस सुसमाचार रोड शो बिना किसी बाधा के आयोजित किया गया और फतेहाबाद में सुसमाचार का प्रचार किया गया। 28 गाँवों में क्रिसमस कैरोल कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रार्थनाः हमारे चर्च के एल्डर्स अनोज कुमार, आशाराम, देवीलाल, विजय, संसार चंद, रजनी, सुनील, भूप, बलकार और मनप्रीत को सेवकाई के विस्तार के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। एक तरफ लकवा से पीड़ित संसार चंद को चंगाई मिले। अशोक नगर चर्च की जमीन के लिए प्रार्थना करें कि सर्वेक्षण संख्या शीघ्र ही प्राप्त हो। हमारे एक एल्डर ने कहा कि चमार जन समूह के लगभग 10,000 लोग सिक्ख या मसीही धर्म अपनाने पर सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं । प्रार्थना करें कि चुने हुए लोगों को सत्य की ओर ले जाया जाए। ढिंग मंडी, पटलीदाबर और दरियापुर गाँव में हमारे विश्वासियों को आत्मा विजेता बनने की प्रेरणा मिले।

8
FEBRUARY

शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सिबी सेल्विन साम
श्रीमती गवित सुनीताबेन राशिभाई
श्रीमती रेखा चंपिया

कलांवाली: विजया कुमार एवं जेबाला

स्तुति: एक नए गाँव में सुसमाचार का प्रचार किया गया तथा दो व्यक्तियों ने ईसा मसीह के प्रभुत्व को स्वीकार किया। कलांवाली, उधान तथा असर गाँव में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रमों में लगभग 1600 व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें से 1250 व्यक्तियों ने पहली बार यीशु मसीह के जन्म के बारे में सुना। 40 व्यक्तियों ने बाइबल प्रतियोगिता में भाग लिया। दुप्पी गाँव के धर्मेंद्र को प्रार्थना के माध्यम से शराब के लत से छुटकारा मिली।

प्रार्थना: उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने सुसमाचार सुना है ताकि वे यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार करें। जलालना गाँव का 22 वर्षीय नवदीप को मिर्गी की बीमारी से चंगाई मिले। इस वर्ष के लिए निर्धारित सभी सेवकाई की गतिविधियों की सफलता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करे कि विश्वासीगण आत्माओ को जीतने के लिए सेवकाई में सक्रिय रूप से भाग लें।

राजस्थान

उदयपुर: आशीष कुमार एवं सविता देवी

स्तुति: आउटरीच सेवकाई के माध्यम से 6 गाँवों के 700 लोगों ने सुसमाचार सुना। 7 लोगों ने मसीह को अपने जीवन में स्वीकार किया और मसीह के झुंड में शामिल हुए। लगभग 15 बाइबल और 50 नए नियम वितरित किए गए। हमारे क्रिसमस कार्यक्रम बिना किसी बाधा के 6 मंडलियों में आयोजित किए गए। झांझर आदिवासी गाँव में आराधना के लिए द्वार खुला। प्रेमीबाई, रेशमीबाई, संध्या, राजदीप और नरेश को लिए दुष्टआत्मा के बन्धन से मुक्ति मिली। है। नमिशा और अरुणा दोनों को संतान का आशीर्वाद मिला।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि फलासिया और गोगुन्दा क्षेत्र में सेवकाई के लिए द्वार खुले। वर्ष 2025 में राजस्थान में होने वाले ग्राम पंचायत की चुनाव के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे दुष्टात्माओं के हमलों का सामना करते हुए भी अपने विश्वास में दृढ़ रहें। पक्षाघात से पीड़ित 3 वर्षीय इवान को चंगाई मिले। नालाफला और छोटानाला की कलीसियाओं के लिए प्रार्थना करें जहाँ कई विश्वासी अपने विश्वास के कारण हो रहे उत्पीड़न के कारण पीछे हट गए हैं।

राई के दाने के बराबर विश्वास!

रोहिणी, महाराष्ट्र के सुरगना के बालसेरथु गाँव की मानसिक रूप से विकलांग एक महिला है। उसका परिवार उसे कई अस्पतालों में ले गया और बिना किसी सुधार के कई पूजा–पाठ और अनुष्ठान किए। इस मामले में, उसके गाँव के विश्वासियों ने उनके जीवन में परमेश्वर द्वारा किए गए अच्छे कामों के बारे में उन्हें गवाही दी और सुसमाचार का प्रचार किया। इस पर विश्वास करते हुए, रोहिणी को चर्च ले जाया गया और उनके लिए प्रार्थना करना शुरू कर दी गई। तीन सप्ताह में, परमेश्वर ने उसे पूर्ण रूप से चंगाई दी। परमेश्वर द्वारा दिए गए चमत्कारिक चंगाई के कारण उसके परिवार ने यीशु मसीह को स्वीकार किया और अपना विश्वास की घोषणा की और परमेश्वर की महिमा के लिए गवाही दी। परमेश्वर की महिमा हो!

9 FEBRUARY

रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जेसिंथ जोआना राममुनि प्रसाद
श्रीमती दीना कुमारी बेबरता आशाप्राप्ता
श्रीमती दुर्गा देवी @रूथ मैरी शंकर ए.

हनुमानगढ़:

मुधवथु राजू एवं मुक्या झाँसी

स्तुतिः 24 स्थानों पर आयोजित विभिन्न क्रिसमस कार्यक्रमों में नए लोगों सहित 400 लोगों ने भाग लिया। मानकसर के एक व्यक्ति ने यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया और मसीह के झुंड में शामिल हो गया। परमजीत सिंह को ईश्वरीय सुरक्षा के लिए धन्यवाद, जो काम से लौटते समय दुर्घटना का शिकार हो गया था। खुंजा गाँव की सुनीता को पेट के तेज दर्द से चंगाई मिली। सुरेशा गाँव की गगन कौर को परमेश्वर ने संतान सुख प्रदान किया।

प्रार्थनाः पिछले दो सालों से अवसाद से जूझ रही जसविंदर कौर की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। करथेर सिंह को ऋण के बोझ से मुक्ति मिले। पिछले 6 महीनों से फेफड़ों में संक्रमण से पीड़ित रेणु कौर की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। श्याम कौर जो अपनी संपत्ति बेचकर अपना कर्ज चुकाना चाहती है, प्रार्थना करे कि उसे प्रभु का मार्गदर्शन प्राप्त हो। करमजीत कौर के लिए प्रार्थना करें जिसके शरीर के गांठ कैंसर में बदल जाने की संभावना है।

खेरवाड़ाः

केनोज स्टेनली इनबराज एवं वंगालपुडी चंदिनी

स्तुतिः पोगरा गाँव के 5 परिवारों ने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। बरूटी गाँव की रीता कटारा को शैतानी बंधन से मुक्ति मिली। बोलने में असमर्थ 4 वर्षीय विक्की ने प्रार्थना के माध्यम से अपनी आवाज पुनः प्राप्त की। कलापुर गाँव के बाबू को मसीही विश्वास के कारण ग्रामीणों ने गाँव निर्वासित कर दिया था, अब उसके गाँव ने पुनः स्वीकार कर लिया है। तमतामिया गाँव के लक्ष्मण, जो दृष्टि की कमी से पीड़ित थे, चंगाई मिली। 9 गाँवों में प्रस्तुत सुसमाचार को 390 लोगों ने सुना और उनमें से 15 लोगों ने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

प्रार्थनाः हेमा बेन को संतान सुख प्राप्त हो। कोड़ियागुन गाँव की कटारी अमरा, जिसका घर धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा नष्ट कर दिया गया था, प्रार्थना करें कि प्रभु उनको सुरक्षा प्रदान करे। ओम प्रकाश को क्षय रोग से चंगाई मिले। अशोक, प्रकाश, रमेश, हितेश, मंजू, हकरा और कवि बेन को शराब की लत से छुटकारा प्राप्त हो। मानसिक बीमारी से पीड़ित कंचन और दृष्टि की कमी से पीड़ित ज्योति कटारा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

10
FEBRUARY

सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सोलोमन ए.

अजीतगढ़:

जयबीर सिंह एवं देवी रानी

स्तुति: 3 गाँवों अमरसर, खेरोटी और जगदीशपुरा के 650 लोगों ने सुसमाचार सुना। लगभग 300 नए नियम वितरित किए गए। हमारे अधिकांश क्रिसमस कार्यक्रमों के आयोजन में विश्वासी सुभाष ने मदद की। विद्या को सीने में तेज दर्द से चंगाई मिली। रेशमा के भाई ने 3 साल से अधिक समय तक रेशमा की लगातार प्रार्थनाओं के उत्तर में पहली बार क्रिसमस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रार्थना: 3 नए गाँवों में सुसमाचार सुनने वालों को यीशु में उद्धारक विश्वास की ओर ले जाया जाए। प्रशांत के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। संदीप को एक अच्छी नौकरी और एक उपयुक्त जीवन साथी मिले। कस्तूरी के पति के लिए मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो उसे शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता और चर्च में भग लेने से रोकता है।

दिल्ली

पटपड़गंज: जॉन डेविडसन सेल्वराज और एस्तेर प्रिसिला

स्तुति: परमेश्वर ने एड्स की बीमारी से पीड़ित बच्चों से मिलने और उनके लिए क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित करने तथा उन्हें उपहार देने में मिशनरियों की मदद की। आर.पी.एफ. कर्मियों तथा नोएडा क्षेत्र के सूरजपुर सेक्टर 82 जैसे क्षेत्रों में सुसमाचार साझा किया गया, जहाँ सुसमाचार प्रचार नहीं किया गया था। पहले भी कई युवाओं ने इस कार्यक्रम के लिए स्वेच्छा से भाग लिया था। हमारे नए आध्यात्मिक संपर्क राकेश ने क्रिसमस कार्यक्रम के लिए अपने छात्रावास से 16 छात्रों को भेजा।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि सूरजपुर के हमारे नए विश्वासी हिमांशु को फेफड़ों के कैंसर से चंगाई मिले। निकी उर्मिला नामक एक युवा लड़की जिसके गुर्दे काम नहीं कर रहे हैं, उसे ठीक होने के लिए सप्ताह में दो बार डायलिसिस करवाना पड़ता है, प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसे चंगाई दे। हमारे संपर्क में नई आई रजनी, शांतिवती और सावित्री परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में मजबूत बने रहें। अज्ञात बीमारी के कारण हमारे प्रशिक्षण में भाग ले रही 13 वर्षीय लड़की ज्योति की मृत्यु हो गई, प्रभु परिवार को सांत्वना प्रदान करे।

उत्तर प्रदेश

बस्ती: जे श्रीनिवासन एवं शीबा जी. चंद्रा

स्तुति: देवपर, बंगाड और बड़ेबन में क्रिसमस कार्यक्रम भव्य तरीके से मनाया गया। हमारे विश्वासियों की मदद से हमारे चर्च के छत का काम पूरा हो गया है। हमारे क्षेत्र में रेव्ह. पोन्नुस्वामी के उत्साहवर्धक दौरे के लिए धन्यवाद। हमारे विश्वासियों द्वारा अपने विश्वास को अन्य लोगों के साथ साझा करना उत्साहवर्धक रहा।

प्रार्थना: निवारी गाँव की विधवा कपुरा के लिए प्रार्थना करें उसके पाँच बच्चे हैं तथा वह अपने गाँव की एकमात्र विश्वासी है, जिसे अपनी विश्वास के कारण अन्य ग्रामीणों से बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बेलबरिया के भगवन दास को सीने के दर्द से चंगाई मिले। आगामी विश्वासी परिवार सम्मेलन और आत्मा विजेता प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सके।

11 FEBRUARY

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री विनय कुमार गुरु

सुश्री इबालेले पामे

घाटमपुर: जंगखोलुन थौथांग एवं न्गौथियानचिंग थौथांग

स्तुतिः घाटमपुर चर्च में क्रिसमस कार्यक्रम का आयोजन सफलतापुर्व आयोजित किया गया था जो पिछले साल संभव नहीं हो पाया था। घाटमपुर परिसर को दो साल बाद हमारे विश्वासियों और स्थानीय पुलिस की मदद से अच्छी तरह से साफ किया गया और सेवाएँ शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित की गईं। हमारे चर्च एल्डर सुनीता के ससुराल वालों ने कई वर्षों के अविश्वास के बाद मसीह को स्वीकार किया। क्रिसमस और नए साल की आराधा 8 अन्य स्थानों पर आयोजित की गईं।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि घाटमपुर चर्च में रविवार की आराधना नियमित रूप से फिर से आरम्भ किया जा सके। हमारे विश्वासियों के रिश्तेदारों और नए खोजियों को मसीह यीशु में उद्धारक विश्वास की ओर ले जाया जा सके। प्रार्थना करें कि सेवकाई को आगे बढ़ाने के लिए स्थानीय प्रशासन और लोगों का समर्थन तथा अनुग्रह प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि परमेश्वर बीमारों को चंगाई दे और जरूरतमंदों तथा विश्वासियों को उत्पीड़न पर विजय पाने का साहस प्रदान करे।

भरथनाः राजन एवं जेबामलार; जी. अजित पांडियन

स्तुतिः एक व्यक्ति ने यीशु को सच्चा परमेश्वर स्वीकार किया और मसीह के झुंड में शामिल हुआ। क्रिसमस कार्यक्रम बिना किसी बाधा के 9 स्थानों पर आयोजित किए गए और सभी दर्शक परमेश्वर के वचन को उत्साहपूर्वक सुना। परमेश्वर की दया से ब्रजमोहन की बेटी और उनके दामाद को एक साथ आने और फिर से शांति से रहने में मदद किया। दुर्गा देवी को स्त्री रोग संबंधी समस्या से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः पैसोली गाँव में आयोजित होने वाले क्रिसमस कार्यक्रम का विरोध करने वाले लोगों के लिए प्रार्थना करें जिसके परिणामस्वरूप पुलिस ने कार्यक्रम की अनुमति वापस ले थी। मेहना चर्च के खिलाफ दर्ज मामलों के लिए प्रार्थना करें कि समस्या का सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया जाए और आराधना फिर से शुरू की जा सके। रमीला गाँव के सपेरा समुदाय के बिबन भाई के परिवार को उनके विश्वास के कारण गाँव से अलग कर दिया गया और उनका घर तोड़ दिया गया; परमेश्वर उन्हें विश्वास में दृढ़ रहने में मदद करे और विरोधीगण प्रभु को ग्रहण करें।

जालौन (सिरसाकलार): राकेश रतिलाल गावित एवं इरगर रेशमा मारुति

स्तुतिः 2 व्यक्तियों ने यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। कानपुर गाँव में 400 लोगों के लिए क्रिसमस कैरोल का आयोजन किया गया। क्रिसमस के मौसम में 3 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। मंगरोल गाँव में 1 आराधना समूह शुरू किया गया। रामपुरा उपकेंद्र में सेवकाई सुचारू रूप से चल रही है।

प्रार्थनाः 15 साल पहले विवाहित दिनेश और 4 साल पहले विवाहित हेमलता परिवार को संतान सुख प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि शारीरिक रूप से अक्षम ओसम को नौकरी मिल सके और वह आर्थिक रूप से स्वयं की मदद कर सके। बलवीर की बेटी को सुनने की क्षमता प्राप्त हो। जिन्होंने सुसमाचार को सुना है उनके लिए प्रार्थना करें कि वे सकारात्मक रूप से सुसमाचार का प्रतिस्पुत्तर दें।

12 FEBRUARY

उपवास प्रार्थना दिवस

बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्री रोनजय नार्ज़री

मध्य प्रदेश

खालवा:

इसाहक राजामणि एवं सीता

स्तुति: कुड़ुख जन समूह के लिए आयोजित तीन दिवसीय क्रिसमस मेले में 300 लोगों ने भाग लिया, यह कोविड के बाद आयोजित इस प्रकार का पहला कार्यक्रम था। खलवा चर्च में हर महीने नए लोग शामिल हो रहे हैं। राठिया को प्रार्थना के द्वारा चिकनगुनिया से चंगाई मिली। संगीता और अनिल जो शादी के बाद अलग रह रहे थे, प्रार्थनाओं के माध्यम से एक दूसरे के साथ मिल गए। मिश्री मिजी को दुष्टात्मा के बन्धन से मुक्ति मिली।

प्रार्थना: वैवाहिक जीवन के कई वर्षों स संतान सुख का इंतजानर कर रहे निम्नलिखित परिवारों के लिए प्रार्थना करें:–मणि और सुगंती, आकाश और अंजू, राजाराम और पम्मी, गोरेलाल और गीता परिवार। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासीगण अपने बच्चों और युवाओं को उनके लिए आयोजित आध्यात्मिक सभाओं में भाग लेने के लिए उत्साहित करें। जामथाड़ और हसनपुरा गाँवों में चर्च का निर्माण हा सके। हमारी बड़ी बेटी दबोरा को एक उपयुक्त मसीही जीवन साथी मिले।

पाल: वेंकटेश वादर एवं शीबा पी.

स्तुति: क्रिसमस के मौसम में क्रिसमस कैरोल आराधना के द्वारा 3 नए गाँवों में पहली बार सुसमाचार प्रचार किया गया। समुली, पासी और पिपलकुरा गाँव में आयोजित महिला सभा में कई महिलाओं ने भाग लिया और आशीषित हुईं। 40 महिलाएं अपने विश्वास का अंगीकार करने के लिए तैयार हैं, उन्होंने सोलापुड़ी गाँव में उनके लिए आयोजित विशेष बैठक में भाग लीं।

प्रार्थना: परमेश्वर उन 20 गाँवों के लिए प्रार्थना करें जहाँ क्रिसमस के मौसम में कैरोल गायन और सुसमाचार पत्रिकाएँ वितरित करने के द्वारा सुसामचार का प्रचार किया गया। वीरसिंह के परिवार की सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिनकी मृत्यु हो गई। अंबापानी के रायसिंह पटेल के लिए प्रार्थना करें जो परमेश्वर के प्रेम का विरोध करता है। पूर्णपट्टा गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो रसरकार द्वारा दी गई भूमि के प्रावधान को पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

मन्त्र झूठा है; यीशु सच्चा है

झारखंड के धुलियानी गाँव में कपो किस्कू नाम का एक जादूगर अपनी काले जादूओं का अभ्यास कर रहा था। एक दिन, लुकास नामक एक मसीही विश्वासी ने उसे अपने अनुष्ठान करने से रोक दिया और उसे घर में प्रवेश करने से पहले दरवाजे पर रखे शास्त्रों को पढ़ने के लिए कहा। जादूगर, भयभीत होकर, बलि के लिए लाए गए दो कबूतरों को दरवाजे पर छोड़ गया और ग्रामीणों से कहा कि घर में कोई मर जाएगा। अगले दिन, कबूतर मर गए। हालाँकि, परमेश्वर की कृपा से, लुकास परिवार को कोई नुकसान नहीं हुआ। यह देखकर ग्रामीण आश्चर्यचकित हो गए और उन्हें एहसास हुआ कि जादूगर की बातें झूठी थीं। उन्होंने परमेश्वर की महिमा की, यह घोषणा करते हुए कि ईसाइयों परमेश्वर ही सच्चा परमेश्वर है। हल्लेलुय्याह!

13 FEBRUARY

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती स्टेला प्रभुदास
श्री संजीव कुमार अन्नूप
श्रीमती कम्पुंग ताबा चुचाओ
श्रीमती वायलेट हांसदा

असम

गोगामुख (धाखुवाकाना):

डेनसिंह आरण एवं कविता

स्तुतिः उन सभी विश्वासियों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जिन्होंने आनन्द के साथ अपनी फसल की कटनी पूरी की हैं। एक व्यक्ति ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। जोधु पंगुंग को पेट के गंभीर दर्द और गैस्ट्रिक अल्सर से चंगाई मिली। चुक्किया चपारी बांस चर्च का निर्माण विश्वासियों के वफादार योगदान के माध्यम से पूरा हुआ है।

प्रार्थनाः गैर–विश्वासी राहुल सिन्धे के लिए प्रार्थना करें जो किडनी फेलियर से पीड़ित है तथा उसे बार–बार अस्पताल जाने की आवश्यकता होती है। धकुआखाना फेलोशिप चर्च का एक बुजुर्ग देवकांत को मलेरिया तथा गंभीर बीमारियों से चंगाई मिले। मोनिका तथा पल्लवी के लिए प्रार्थना करें जो मसीह का अनुसरण करना तो चाहती हैं, परन्तु उन्हें अपने परिवार की ओर से अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। विश्वासियों लुगिथा पेगु, डोरा पेगु, तथा अल्फा पायेंग के लिए कि वे नियमित रूप से चर्च में जाएं तथा अपने विश्वास में आगे बढ़ें। हमारी बेटी मिराकिलन के लिए प्रार्थना करें कि वह अपनी छोटी सी सर्जरी से ठीक हो जाए तथा स्वस्थ रहे।

लखीमपुरः

एरोनसिंह नार्जरी एवं रीना

स्तुतिः 2 नए व्यक्ति विश्वासियों के समूह में शामिल हुए। 6 नए गाँवों में सुसमाचार पहुँचाया गया और 5 गाँवों में आउटरीच सेवकाई के माध्यम से द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। व्यक्तिगत प्रचार के माध्यम से लगभग 309 आध्यात्मिक ट्रैक्ट वितरित किए गए और लगभग 39 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रूप से सुसमाचार सुनाया गया। विश्वासियों के घरों तथा कुछ गैर–विश्वासियों के घरों में भी क्रिसमस कैरोल गीतों का कार्यक्रम आयोजित की गई।

प्रार्थनाः शराब के आदी लोगों के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। 2 नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीही विश्वास में आगे बढ़ें। एलिसन नारा के लिए प्रार्थना करें जो कम उम्र में नशे की लत में पड़ गई थी, उसे मुक्ति मिले। विश्वासियों की आध्यात्मिक आगामी सभा एवं प्राचीनों की आत्मिक सभा कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन हो सके। भटके हुए विश्वासियों के पश्चाताप करने और प्रभु की ओर वापस लौटना तथा चर्च और मिशन की गतिविधियों में शामिल होनें के लिए प्रार्थना करें।

14
FEBRUARY
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती लाल नून मावी हमार किपज़ेन

बिहार

रानीगंज:

एम. अनंतन एवं निशा प्रथम

स्तुति: 10 गाँवों में 61 आउटरीच सुसामचार सभाएँ आयोजित की गईं 1700 लोगों ने सुसमाचार सुना। 24 बाइबिल और 18 नए नियम वितरित किए गए। सिम्मा गाँव के सुधाकर को कैंसर के चौथे चरण का पता चला और उसके बचने की संभावना बहुत कम थी, वह अपनी माँ के साथ प्रार्थना करने के लिए चर्च आया और परमेश्वर ने उन्हें रक्त कैंसर से चमत्कारिक रूप से चंगाई दी।

प्रार्थना: सुसमाचार सुनने वालों के लिए प्रार्थना करें कि वे सुसमाचार की सच्चाई को स्वीकार करें। सेवकाई के लिए नए द्वार खुलने के लिए प्रार्थना करें। मेरे पिता के लिए प्रार्थना करें जो अकेले रहते हैं, ताकि वे शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहें।

पूर्वी गंगा क्षेत्र: बाबू पुष्पराज एवं राचेल जॉयस

स्तुति: जक्करगंज गाँव में एक नई आराधना दल शुरू की गई है। सुम्मा गाँव के सुधाकर ल्यूकेमिया के चौथे चरण में लाखों रुपये खर्च करन के बादे प्रार्थना करने आए थे और जब हमने प्रार्थना की तो उनकी हालत में सुधार हुआ है। परमेश्वर की कृपा से मिशनरी दंपति के घर एक सुंदर बालक का जन्म हुआ है।

प्रार्थना: लालपुर गाँव में दिलीप साडा से जमीन छीनने की कोशिश करने वाले लोगों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। विश्वासी हरिहर एवं साराम, जिन्हें गंभीर विरोध का सामना करना पड़ रहा है प्रार्थन करें कि वे विश्वास में दृढ़ रहें। जिन्होंने क्रिसमस के मौसम में सुसमाचार कोसुना है वे मसीह को स्वीकार करें। स्थानीय प्रचारक प्रकाश जोहिंदर, संजय और लाल बहादुर के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें सेवकाई में सामर्थ्य के साथ इस्तेमाल करे।

झारखंड

अम्रापाड़ा: व्यासु बाबू एवं सौन्दर्या रेखा

स्तुति: 13 गाँवों में आउटरीच सेवकाई के माध्यम से 13,166 लोगों ने सुसमाचार सुना। लगभग 15 लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। लगभग 9000 आध्यात्मिक ग्रंथ और 13 बाइबलें वितरित की गईं। प्रभु ने धोनमुनी सोरेन, दीजन हेम्ब्रोम और रामबारा मुर्मू को मिर्गी से, ढेना हंसदक और जुनास हेम्ब्रोम को विभिन्न बीमारियों से चंगाई दी।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि परमेश्वर गरीबों और जरूरतमंदों को भीषण ठंड से बचाए। प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा सामर्थ के साथ के कार्य करे ताकि सुसमाचार के प्रचार के दौरान और अधिक आत्माएं प्रभु के पास आ सकें। कलीसिया का प्राचीन साहेब जोतन मरांडी, जोना मुर्मू, जोशुआ हेम्ब्रोम और अनिल मुर्मू परमेश्वर के वचन में गहराई से आगे बढ़ें। डंबरसिर चर्च का निर्माण कार्य की प्रगति के लिए प्रार्थन करें। बिटिया मुर्मू और रुशिलाल हेम्ब्रोम को लकवा से, तालामे हेम्ब्रोम को मिर्गी से, हेमलाल सोरेन को पित्ताशय की पथरी से और कलेसोर सोरेन को यक्ष्मा की बीमारी से चंगाई मिले।

15 FEBRUARY

शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री डैनियल थॉमस
श्रीमती मर्सी दबोरा सेंथिल
श्री वासावे इलेश प्रभु
श्री अय्यनार एम.

जामा:

गुन्ना मोहिंदियार एवं सुमितादास

स्तुति: हम लोगों ने लगभग 28 गाँवों के 3200 लोगों तक सुसमाचार पहुँचाने में सफलता प्राप्त की। 26 लोगों ने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। लगभग 1500 लोगों ने 22 क्षेत्रों में दिखाई गई जीज़स फिल्म देखी। 3 गाँवों में क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किए गए। चर्च एल्डर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम, कमेटी मेंबर्स कैंप और बिलीवर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

प्रार्थना: जिन लोगों ने मसीह को स्वीकार किया है वे सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अंगीकार करें और अपने विश्वास की पुष्टि करें। कलीसिया के प्राचीनों के लिए प्रार्थना करें कि वे आध्यात्मिक रूप से अपनी मंडलियों का नेतृत्व करने में अपनी जिम्मेदारियों को निभा सकें। सुसमाचार प्रचारकों के सेवा विस्तार और खुले द्वार मिलने के लिए प्रार्थना करें। रामधन सोरेन को लकवा से चंगाई मिले। अवसाद से पीड़ित पुतुल हेम्ब्रोम तथा मिर्गी एवं क्षय रोग से पीड़ित कुछ अन्य लोगों की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

मिरक्कल गर्ल्स हॉस्टल:

ए. इवलिन पाकिया एवं सावित्री एस्तेर कुमार

स्तुति: सभी बच्चों ने बिना किसी बीमारी का सामना किए अपनी अर्धवार्षिक परीक्षाएँ लिखीं। शुरू किए नए छात्रावास के निर्माण कार्य के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। पिंकी और सजनी के लिए जो वापस छात्रावास में लौट आई हैं। छोटे बच्चों के छात्रावास की टाइलें ठीक कर दी गई हैं। परमेश्वर की अनुग्रह से हमारे छात्रों के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। हमारे कर्मचारी किरण, अनुश और रूथ मालती को उनकी बीमारियों से चंगाई मिली। मरियम ने अपना स्नातक सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा किया।

प्रार्थना: अपने घर गई हुई गुड़िया और सूजी के छात्रावास में वापस लौटने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि पर्याप्त धन की उपलब्धता के साथ निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो सके। विजिला के पिता हमारे प्रचारक के सूजे हुए पैर की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। बच्चों की पुस्तिका के माध्यम से सुसमाचार सुनने वाले लोग मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करें। कक्षा 11वीं और 12वीं के उन विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना करें जिनकी बोर्ड परीक्षाएँ फरवरी के मध्य में शुरू होने वाली हैं। बाल भवन की हमारी किशोरी लड़कियों के लिए प्रार्थना करें ताकि जब वे अपने घर जाएँ तो अपनी पवित्रता को बनाए रखें। बच्चों के उपयोग एवं निर्माण कार्य के लिए पर्याप्त जल श्रोत के लिए प्रार्थना करें।

16
FEBRUARY
रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती पोन लता जेबाकुमार
श्री सतीश कुमार सी.

गाड्रो एवं मगैया बॉयज हॉस्टल:
सुदर्शन (सेवानिवृत्त) और फ्लोरेंस; हिजाम कैनेडी सिंह एवं हिजाम लिनथोइबी चानू

स्तुति: 3 नए गाँवों के 500 लोगों ने सुसमाचार सुना। छब्बी गाँव की एक महिला ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार की। तुमिरिगी, छब्बी, बुदरसिगी, अलीकट्टीगी, इंदिरानगर, करिकेरा, कवलिकोप्पा और गणेशपुरा गाँवों में क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किए गए औश्र इस्लामी आस्था की हाजिम्मा भी हमारी प्रार्थना सभा में शामिल हुई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि गोवाव्वा और नागप्पा को संतान सुख प्राप्त हो जो वैवाहिक जीवन के 15 वर्षों निःसंतान हैं। मुंडगोड़ गाँव में चर्च निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि मिलने के लिए प्रार्थना करें। पूजा, चंद्रकला, रूपा, रुक्मणि, हंजुमा, मंजुनाथ देसाई और नागप्पा को यीशु मसीह में उद्धार प्राप्त हो। तिब्बती बस्ती की कस्तूरी के सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिनके ससुर की मृत्यु हो गई। गर्भपात का सामना कर रही कृपा को यीशु में सांत्वना मिले और उसे शीघ्र ही संतान की प्राप्ति हो।

पश्चिम बंगाल
बालुरघाट: किंग्सले लिविंगस्टन और डेल्फिन

स्तुति: बोनहट, हरिपुर और मंगलपुर गाँवों में घर–घर जाकर क्रिसमस सीजन के कैरोल संगीत आयोजन किए गए और लोगों से मिलकर ट्रैक्ट का वितरण किया गया। मंगलपुर के 2 परिवार के लोग मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। आउटरीच सेवकाई के माध्यम से 6 गाँवों में 690 लोगों ने सुसमाचार प्रचार सुना। गोपाल मराण्डी, मौसमी मराण्डी, सोनाली सोरेन, मिलन सोरेन और हमारे प्रचारक की पत्नी सुस्मिता को विभिन्न बीमारियों से चंगाई मिली।

प्रार्थना: चर्च के युवाओं, किशोरों और बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु में बढ़ें और माता–पिता मसीही सुस्कृति में उनका पालन–पोषण करें। स्वपन किस्कू अमथपुर आराधना सेवा का नेतृत्व प्रभु के भय के साथ करने पाए। सुशील हसदक, सुजय हसदक, निरंजन मराण्डी, कोमल किस्कू, एलियास टुडू, कोमलेश किस्कू और राकेश किस्कू को अपना समय और धन ईश्वर की सेवकाई के लिए निवेश करें और मसीह का गवाह बनें। जोसेफ मुर्मू, रमेश सोरेन, तपन मराण्डी, सुनील टुडू और सोनाली मुर्मू के परिवार मसीह यीशु में एक उद्धारक विश्वास की ओर आगे बढ़ें।

17
FEBRUARY

सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती रुहामा गुरु

श्रीमती वंगलापुडी वंदिनी केनोज

छत्तीसगढ़

रघुनाथपुरः

लौलिन भुईयाँ एवं किरण भेंगरा

स्तुतिः बच्चों और सभी कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। बच्चों ने अपनी परीक्षाएँ सफलतापुर्वक लिखीं। क्रिसमस कार्यक्रम का आयोजन बिना किसी परेशानी के सलतापुर्वक आयोजित की गई।

प्रार्थनाः हमारे बच्चों के आध्यात्मिक विकास और इस ठंड में उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। पढ़ाई में कमजोर बच्चें के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें प्रभु उन्हें बुद्धि प्रदान करे। बाल छात्रावास के लिए रसोइये की आवश्यकता हेतु प्रार्थना करें। पैर में गंभीर दर्द से पीड़ित मिशनरी के चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हमारे बच्चे निलिन और एबेनेजर के लिए प्रार्थना करें जो इस वर्ष अपनी 12 वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले हैं।

ओड़िशा

रायरंगपुरः

कुना चंद्र पाइक एवं कृतांजलि पाइक

स्तुतिः 40 नए गाँवों में लगभग 4200 लोगों को सुसामचार सुनाया गया। 13 लोगों ने यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। 3 परिवारों ने यीशु मसीह के बारे में जानने में रुचि दिखाई। सोमबन हेम्ब्रोम को दुष्ट आत्मा के चंगुल से छुटकारा मिली। सुखराम और रिंकु परिवार को एसंतान की आशीर्वाद मिले। नए विश्वासी रोइसन सोरेन का अंतिम संस्कार बिना किसी बाधा के ईसाई रीति–रिवाजों के अनुसार किया गया।

प्रार्थनाः नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि गवाही का जीवन बिताएँ। चर्च की आराधना में भाग लेने वाले लोग शीघ्र ही प्रभु यीशु मसीह में अपने विश्वास की घोषणा करें। शारीरिक रूप से विकलांग नंदिनी महाली की चंगाई के लिए तथा अमारेंद्र और भगत सिंह का लकवा से, रबीहा को तपेदिक से, माधुरी पन्ना को बिस्तरी बीमारी से, नंदिया नायक और नाही हेब्रोम को गुर्दे से संबंधित बीमारी से, लक्ष्मी नायक को कुष्ठ रोग से और सोना मुनी को गम्भीर सिरदर्द से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थन करें। संग्राम सोरेन, कैलाश बिजय टुडू और फुलचंद नायक के परिवार को संतान सुख प्राप्त हो। जयराम नायक और सांगी कुंडालकाल के परिवार में व्याप्त घरेलू समस्याओं का समाधान के लिए प्रार्थना करें।

18 FEBRUARY

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती तेजस्विता बेबरता
श्री सुकिनलाल री.

झिंकपानीः

अब्राहम एस. एवं ऐलिस शीबा

स्तुतिः परमेश्वर ने मिशनरियों को सुसमाचार बाँटने और तीन गाँवों में अनुवर्ती कार्य करने में सक्षम बनाया। 13 लोगों ने यीशु मसीह के प्रभुत्व को स्वीकार किया और अपने विश्वास का अंगीकार किया। प्रार्थना के माध्यम से परमेश्वर ने परमोदी चर्च के किरुबा डायग्राम को खदान में एक अच्छी नौकरी पाने में मदद की।

प्रार्थनाः कोकसो, थुइयाना, सोनापोसी और साईबाशा गाँवों में आराधना समूहों के गठन की सफलता के लिए प्रार्थना करें। जयपुर और पुकरिबी गाँव में आयोजित होने वाले युवा प्रशिक्षण और कलीसिया के प्राचीनों की शिविरों की शानदार सफलता के लिए प्रार्थना करें। पार्वती पूर्ति को खून की उल्टी से, सलोनी को आँखों की समस्या से और सुशांत भनरा को लकवा से चंगाई मिले। कलीसिया का प्राचीन श्राम्पानी को खदान में रोजगार मिले। मपुरा गाँव में हमारे विश्वासियों को धमकाने वालों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें।

क्योंझरः

प्रत्यूष नायक एवं मैरिथाई लियोना

स्तुतिः 10 लोगों ने यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया और कलीसिया में शामिल हो गए। सात गाँवों में लगभग 345 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। विश्वास से भटकी गीता पिंगुवा पुनः विश्वास में आ गई।

प्रार्थनाः मधु और गुरुपानी मुंडा के परिवारों में व्याप्त घरेलू समस्याओं का सौहार्दपूर्ण ढंग से समाधान हो और शांति कायम हो। कुल्लू मुंडा को दुष्टात्मा के चंगुल से छुटकारा मिले। चंद्रा मुंडा का विरोध करने वाले ग्रामीणों के पश्चाताप और ईसा मसीह को स्वीकार करने के लिए प्रार्थना करें।

जंबानीः

एफ्रैम माली एवं प्रोसोन्सिता माली

स्तुतिः हमारे विश्वासियों के प्रयासों से सुसमाचार को 3 नए गाँवों में प्रचार किया गया। क्रिसमस के दिन 2000 सुसमाचार साहित्य वितरित किए गए। कासियापेड़ा, लाडुकापासा, फुलबहारा, पेलिया, बहारागोड़ा, साहिलिया और थारधम गाँवों में अनुवर्ती सेवकाई पूरी की गई।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि दिलीप मुंडा हमारी सेवकाई में तत्परता से मदद करे। पिपुटी और पुसुम मुर्मू के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीह के प्रभुत्व को स्वीकार करें। जगन्नाथपुर और येतगोड़ा गाँव में निर्धारित यीशु मसीह पर विश्वास को स्वीकार करने के कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

19 FEBRUARY

उपवास प्रार्थना दिवस

बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अंबुगलर बालागुरुगन

ढेंकनालः

अशोक नायक एवं सुरभि नायक

स्तुतिः विश्वासियों के सहयोग से सुसमाचार को 8 गाँवों में प्रचार किया गया और लगभग 180 लोगों ने सुसमाचार सुना। 100 सुसमाचार साहित्य एवं नए नियम की 40 प्रतियां वितरित की गईं। जिंगिरीबेडा, कोटापोसी और पत्तरकाडा के ग्रामीण यीशु मसीह के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं।

प्रार्थनाः नीरा हेम्ब्रोम के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों का विरोध करती है। कड़ी सर्दी के मौसम में विश्वासियों और मिशनरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें। उन तीन ग्रामीणों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने सुसमाचार में रुचि दिखाई है वे जल्द से जल्द यीशु मसीह को स्वीकार करें। पीतमपर, काकरी, सुरुकाकरी, नाथ हेम्ब्रोम और पंगुरु हेम्ब्रोम के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीही के विश्वास में दृढ़ रहें।

जशीपुरः **आर. गणेश एवं सुमति गणेश**

स्तुतिः 8 नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। 94 लोगों ने यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया और अपने विश्वास की घोषणा की। 16 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। एक गाँव में जीजस फिल्म दिखाई गई। क्षेत्रीय स्तर पर योजना सभा और कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई।

प्रार्थनाः राधा नगर, हाडीपौगा, ओरिया, पहाड़कानी, जमुधी, धलबुमगढ़ बालभवन, पालीसाई और परजमदा गाँव में चर्च निर्माण कार्य की सफल समापन के लिए प्रार्थना करें। इस क्षेत्र में एक समर्पित मिशनरी की आवश्यक्ता पूरी होने के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर उन विश्वासियों को मजबूत करे जो पुदिकवन के विरोध का सामना कर रहे हैं। सकिकडी बालभवन के कमजोर 8 बच्चों को परमेश्वर की बुद्धि प्रदान करे ताकि वे बोर्ड परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। दीपाली को हाथ के दर्द से चंगाई मिले।

रिमुलीः

अरविंध कुमार एवं हेलेन मरियम

स्तुतिः परमेश्वर ने इस सर्दी के मौसम में परसाला गाँव के लिरिका मुंडा को अस्थमा जैसी मौसमी स्वास्थ्य समस्या से बचाया। मक्खी मुंडा जो तीन दिनों के लिए अपनी दृष्टि खो चुके थे, प्रार्थना के माध्यम से अपनी दृष्टि वापस पा ली। पादुपिल गाँव के गुरुवारी जब एक खास गली से गुजरती थी तो बुरी आत्मा के कारण बेहोश हो जाते थे; प्रार्थना के माध्यम से परमेश्वर ने उन्हें डर पर काबू पाने में मदद की और अब जब वह उस खास गली से गुजरती हैं तो उसे कुछ नहीं होता है। क्रिसमस कार्यक्रम को बिना किसी बाधा और संकट के विभिन्न स्थानों पर मनाया गया।

प्रार्थनाः शांति पोनी के लिए जो धीरे–धीरे अपनी दृष्टि खो रही है, ताकि वह इस समस्या से उबर सके। गीता मुंडा के पेट में सूजन की भावना के लिए। ईश्वर से प्रार्थना करें कि प्रचारक इस वर्ष के लक्ष्य को पूरा करने में मदद करें।

20 FEBRUARY

गुरूवार

जन्मदिन मुबारक

श्री कुना चंद्र पाइक
श्री जॉनसन वी.
श्रीमती बसंती मराण्डी हेबेल

धलभूमगढ़: प्रमोद कुमार एवं जशोदाबेन

स्तुति : थाईसाई गाँव में कलीसिया के प्राचीनों के प्रशिक्षण के दौरान सभी अगुवों ने भाग लिया और लाभ उठाया। पिछले 2 महीनों से रात में सूखी खाँसी और बुखार से पीड़ित थबलाई सोरेन को यीशु मसीह ने चंगाई दी। तीन स्थानों पर आयोजित क्रिसमस समारोह में परमेश्वर ने माही मुर्मू, जमादार हेम्ब्रोम, हर्सी हेम्ब्रोम और रामदास किस्कू को विभिन्न बीमारियों से चंगाई दी।

प्रार्थना: खुलडिहा गाँव के तुलानी हेम्ब्रोम के पैर के दर्द संधोई मिलने के लिए प्रार्थन करें जो चलने में असमर्थ थे। मिशनरियों और विश्वासियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें ताकि वे कड़ी सर्दी के मौसम का सामना कर सकें।

गुजरात

कवंत: अखिलेश कुमार एवं किरण देवी

स्तुति: 2 नए गाँवों के 170 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 5 परिवारों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। रामदासबाई का बेटा नींद में दम घुटने से लगभग मृत हो गया था, लेकिन प्रार्थना के द्वारा उसको पुनः जीवन मिल गया। महुदाबारी गाँव में क्रिसमस कार्यक्रम कलेक्टर की अनुमति से आयोजित किया गया। उल्वा गाँव की 10 साल से पेट दर्द से पीड़ित सेवलीबेन को परमेश्वर चंगाई दी। परमेश्वर ने हमें महुदाबारी और कटामदी गाँव में पक्के चर्चों के निर्माण के लिए गाँव के मुखियाओं से कानूनी मंजूरी हासिल करने में मदद की।

प्रार्थना: महुदाबारी और कटमाडी गाँव में निर्मित चर्च के सफल समापन और विश्वासियों के सहयोग के लिए प्रार्थना करें। पिछले 8 वर्षों से आँखों और शरीर के दर्द से पीड़ित मुकेश को चंगाई मिले। सानुबेन को पिछले एक साल से हो रहे सीने के दर्द से चंगाई मिले। नादुबाई और ईश्वरभाई एक धार्मिक कट्टरपंथी समूह से संबंधित हैं और मसीही धर्म को सताने के लिए उत्सुक हैं, प्रार्थना करें कि वे मसीह को जानें।

खेरगम बालभवन: कुमारन जी. एवं जेलिन जेया प्रथा

स्तुति: 15 गाँवों में 250 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 24 लोगों ने सुसमाचार सुना और मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। आयोजित 2 युवा सभाओं में कई युवाओं ने भाग लिया। महिलाओं की बैठक 3 मिशन क्षेत्रों में आयोजित की गई। अवकाश के दौरान कीलीपानी मिशन क्षेत्र में वी.बी.एस. कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मणिलाल, सुक्रिया, उर्मिला और गोपी को सर्पदंश से उपचार के द्वारा चंगाई मिली। रमीला को दिल का दौरा पड़ने के बाद जीवन वापस मिला।

प्रार्थना: हंसा बेन को शरीर के दर्द से, हेतल बेन को सामान्य कमजोरी से, अनु बेन को सीने के दर्द से, सुशीला बेन को स्त्री रोग संबंधी समस्या से तथा रेशमी बेन को कई प्रकार की बीमारियों से चंगाई मिले।

21 FEBRUARY

शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री तिलक एस.

अहवा एवं पीपलवाड़ा:

विग्नेश्वरन एवं एंजेलिन एम.

स्तुति: 22 गाँवों के 100 लोगों ने सुसमाचार सुना। बन्नामल, चिंचिनागोवड़ा और टाकलीपाड़ा गाँव में उपवास प्रार्थना आयोजित की गई। बमोरिया क्षेत्र के सुनील को एक कोबरा का सामना करना पड़ा, जिससे वह चमत्कारिक रूप से बच गया। डुंगरड़ा में चर्च समर्पण कार्यक्रम बिना किसी परेशानी के आयोजित की गई। मोलचरिया गाँव की सावित्री को चिकनगुनिया से चंगाई मिली। सभी मण्डलियों में कैरोल आराधना व्यवस्थित तरीके से आयोजित की गई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि हमारे कलीसिया के प्राचीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रियतापुर्वक भाग लें और आशीष प्राप्त करें। हमारे चर्च निर्माण परियोजना के आपूर्तिकर्ताओं और श्रमिकों के लिए प्रार्थना करें जो हमारे भुगतान शॅड्यूल का अनुपालन नहीं करते हैं, इन सब के साथ हमारी आपसी समझ के लिए प्रार्थना करें। केरपाड़ा चर्च निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा हो सके। कलीसिया का एक प्राचीन ने देवरपाड़ा गाँव में चर्च निर्माण के लिए अपनी जमीन दान की, परन्तु ग्रामीणों के विरोध के कारण, अब उनके अपने भाई ने विरोध करना शुरू कर दिया है। प्रार्थना करें कि प्रभु इस विषय पर हस्तक्षेप करें।

कपराड़ा:

बिदुश कुमार नायक एवं प्रीतिबाला प्रधान

स्तुति: 5000 लोगों ने सुसमाचार सुना और उनमें से 99 ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। 4 स्थानों पर आयोजित सामान्य क्रिसमस कार्यक्रम में लगभग 20,000 लोगों ने भाग लिया। कस्तुनिया गाँव की अजीतबाई की पत्नी को 7 बार गर्भपात हुआ और अंत में परमेश्वर ने उन्हें एक बच्चे का आशीर्वाद दिया। जांमोना गाँव के बाहुदुरभाई जो एक जादूगर थे, उसने अब परमेश्वर की ओर रुख किया। अपने गाँव से लापता हुई 7 वर्षीय लड़की दृष्टि को सुरक्षित रूप से ढूँढ़ लिया गया।

प्रार्थना: विनीता को रक्तप्रवाह की बीमारी से चंगाई मिले। हमारे सम्पक में नई आई ममता और विजय की पारिवारिक समस्याओं का समाधान हो। ममता की बेटी मानवी को आँखों से पानी आने की समस्यासे चंगाई मिले। बंदाल क्षेत्र में हुई अप्रत्याशित मौतों को रोकें और लोगों को मसीह में आशा प्रापत हो। विवाहित जीवन के 7 वर्षों से निःसंतान प्रेमा देवी को संतान की प्राप्ति हो। श्यामलाल, मोनलाल, प्यारेलाल, देवमणि और शिव राम के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की ओर लौटें।

22
FEBRUARY
शनिवार

निजार एवं रोलाम्बा:
युवनेश टी. एवं झाँसी रानी

स्तुति: 1 नए गाँव के 178 लोगों ने सुसमाचार सुना। 10 बाईबल और 10 नए नियम वितरित किए गए। बधुबाई को तंत्रिका दर्द से चंगाई मिली। परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों के खेतों में अच्छी फसल का आशीर्वाद दिया है। जमुनाबेन के परिवार को एक बच्चे का आशीर्वाद मिला।

प्रार्थना: वासावा लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास में दृढ़ बने रहें और अपने समाज के प्रति गवाह बने रहें। 9 गाँवों में क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किया गया। रणवीर भाई को मानसिक बीमारी से चंगाई मिले। अर्पणाबेन और प्रियंकाबेन के परिवार के लिए प्रार्थना करें जो वैवाहिक जीवन के 5 साल से निःसंतान हैं। सुवर्धबेन को उपयुक्त जीवन साथी मिले।

मोटापोंडा:
मार्कस मालतो एवं सारा मालतो

स्तुति: विश्वासियों के घरों में किए गए कैरोल गायन में भाग लेने वाले युवा और अन्य विश्वासियों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। संयुक्त क्रिसमस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने भाग लिया। अखिलेश भाई प्रभु में बढ़ रहा है।

प्रार्थना: जगदीश को मानसिक बीमारी से छुटकारा मिले। धीना बेन जो पिछले एक साल से पेट दर्द से पीड़ित है, उसे चंगाई मिले। नग्गिन भाई, जिसे उसके परिवार ने मसीह के नाम पर रहने के लिए अच्छी जगह पाने के लिए बाहर भेज दिया था; उसका परिवार प्रभु को स्वीकार करे।

दादर नगर हवेली
सिलवासा:
डेविडसन राजसिंह एवं कनमनी परिमालम

स्तुति: अंधेरपाड़ा गाँव की वंदना बेन ने ईसा मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। जीरवल गाँव की पथूबेन एक जहरीले साँप के हमले से चमत्कारिक रूप से बच गई। एक महीने से अधिक समय से चलने में असमर्थ वस्ती बेन को परमेश्वर ने सक्षम बनाया। अम्बारी गाँव की साइना बेन और बरोली को सरकारी नौकरी मिली। सिक्कलदाह गाँव में अयोजित क्रिसमस कार्यक्रम में 50 लोगों ने भाग लिया। राजकरचोंड गाँव की जीवनबाई को अवसाद से छुटकारा मिली।

प्रार्थना: हमारे उन विश्वासियों के लिए प्रार्थन करें कि जो तम्बाकू के आदी हैं, वे अपनी बुरी आदतों से छुटकारा पाएँ। बोंडो गाँव के सुनील और शिल्पा के लिए प्रार्थना करें जो चर्च आने से कतराते हैं, ताकि उनका हृदय परिवर्तन हो सके। वर्ना गाँव की ज्योत्सना बेन और मास्करचोंड गाँव की बिसुबाई और रसमिला के लिए ताकि वे अवसाद से मुक्ति पा सकें। विजय और जोशना, संजय और चंद्रिका, सुरेश और रेणुका, अशोक और जयंती, कनु और पार्वती परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करे। 3 साल से चलने में असमर्थ हमारे विश्वासी दिलीप बाई के लिए प्रार्थन करके कि परमेश्वर उसे चलने की शक्ति प्रदान करे।

23 FEBRUARY

रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री इसाहक राजा डी.
श्री सेंथिल कुमार तिमोथी
श्रीमती अनिता प्रभा आनंदकुमार
श्रीमती ईमांडी अनुराधा बंगारू

महाराष्ट्र

सुरगना:

टी. मयिलसामी एवं येसुमनी टी.

स्तुति: तीन गाँव क्रमशः रासरला, अलारथीदम और मेलुरके में परमेश्वर के वचन का प्रचार करने के लिए परमेश्वर ने द्वार खोला। लगभग 1868 लोगों ने सुसमाचार सुना और 106 लोगों ने मसीह को स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। डिंडोरी, बहरे और सुरगाना के मिशन क्षेत्रों में क्रिसमस का कार्यक्रम सफलतापुर्वक सचालित की गई। खंडोलसा गाँव में आराधना सेवा केवल 5 महीने पहले ही शुरू हुई थी और 5 परिवारों ने विश्वासी जीवन अपनाया। थोंडालापाडा गाँव का लशाबाई परिवार जो विश्वास से पीछे हट गया था, वह फिर से प्रभु में विश्वास करने लगा है। बपलुन गाँव के एक परिवार ने शराब की लत से मुक्ति पाने के बाद प्रभु यीशु मसीह में अपना विश्वास कबूल किया।

प्रार्थना: आगामी स्वयंसेवकों, महिलाओं, रविवारीय पाठशाला प्रशिक्षण तथा अन्य कार्यक्रमों की आशीष के लिए प्रार्थना करें। कुकुदने गाँव के विश्वास में पीछे हटे लोगों के पश्चाताप और प्रभु में वापस आने के लिए प्रार्थना करें। प्रभु अमजर गाँव में सुसमाचार के लिए खुले दरवाजे प्रदान करें। बहरे अमथ्या गाँव में एक चर्च के निर्माण के लिए प्रार्थना करें। पिंपलवाडी गाँव की मीराबाई को दुष्टात्मा के बन्धने से छुटकारा मिले।

इगतपुरी:

नागराजन. एम. एवं थिलागावति आर.

स्तुति: दो नए गाँव कोनए और घोटकर में सुसमाचार प्रचार किया गया। खोजियों के बीच 16 नए नियम और 4 बाइबलें वितरित की गईं। 8 व्यक्तियों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। कारागाव, आवेली, पारेली, तलागाव और पैनाव गाँवों में अनुवर्ती सेवकाई संचालित की गई। तलागाव गाँव की अमिता ने अपने खेत में खराब फसल होने से अपनी जमीन पर घुटने टेक कर प्रार्थना की और प्रभु से इस वर्ष उसकी उपज को आशीर्वाद दिया। झटगाव गाँव कान के बढ़ते दर्द से पीड़ित की शिल्पा को चंगाई मिली। ताएजेल को एक दुष्ट आत्मा के बन्धन से मुक्ति मिली। चित्रा, जिसकी हाल ही में शादी हुई थी, ने अपनी सोने की चेन खो दी और उसने बहुत प्रार्थना की। चमत्कारिक रूप से चेन वापस मिल गई।

प्रार्थना: थलागाव गाँव के बालू और कालू तथा मुकनेवाडी गाँव के योगेस्ट के लिए प्रार्थना करें जो क्रमशः अवसाद और शराब की लत से पीडित हैं, प्रभु उन्हें छुटकारा प्रदान करे। संजय, निवृति, कृष्णा और राजाराम जैसे पथभ्रष्ट विश्वासियों के पश्चाताप के लिए प्रार्थन करें कि वे प्रभु की ओर मुडें। मुकनेवाडी गाँव के रोहित की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो सिकल सेल रोग से पीडित है। एवेली गाँव के कलुमुकाने, जो घर बनाने के लिए सरकारी धन प्राप्त करने के पात्र हैं, ने पाया कि उनका नाम अभिलेखों से गायब है, संभवतः उनके ईसाई धर्म के कारण। प्रार्थना करें कि प्रभु हस्तक्षेप करें और उनकी सहायता करें। विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार हो रहे धामिनी गाँव के पाँच परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु में दृढ़ बने रहें।

24 FEBRUARY
सोमवार

मशावाड़ एवं तलोदा बाल भवनः
भरणीधरन एवं सेल्वारानी

स्तुतिः परमेश्वर ने हमें सुसमाचार के माध्यम से 2 नए गाँव अवगा और पडाल्दा पहुंचने में सक्षम बनाया है। 3 परिवारों ने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है और अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। मोघा धनकर को घरघराहट से, लक्ष्मी शम्सी बाई को पेट के ट्यूमर से चंगाई मिले। प्रहाड़ी क्षेत्र में रहने वाली विल्ली भाई ने चिकित्सा सुविधा के बिना सुरक्षितएक बच्चे को जन्म दी।

प्रार्थनाः मोंगा के लिए प्रार्थना करें जो आँखों की 3 सर्जरी के बाद भी दृष्टि की कमी से पीड़ित है, अब वह हमारी आराधना सेवा में भाग ले रहा है, चंगाई पाए ताकि वह प्रभु आंतरिक और बाहरी आँखें खोले और मसीह के उद्धारक ज्ञान का अनुभव कर सके। दुर्घटना में घायल अरुण की चंगाई के लिए प्रार्थना करें कि वह चल सके। वैवाहिक जीवन के 8 साल निःसंतान सेवन्ता के लिए प्रार्थना करें कि उसे संतान सुख प्राप्त हो। 10 वर्षीय सोनाली को लीवर की बीमारी से चंगाई मिले। नए गाँव अवगा और पडाल्दा के लोगों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने सुसामचार को सुना है प्रभु में विश्वास करें।

बोराडीः
ओमप्रकाश एवं सपना

स्तुतिः क्रिसमस के मौसम में 1100 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 22 लोगों ने यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया और मण्डली में शामिल हुए। केवशियापाड़ा समरदेव, निम्बारी, जमनपानी, टेकावड़े और तराडे गाँवों में द्वितीय चरण्रा की सेवकाई चलाई जा रही है और लगभग 200 लोगों को सुसमाचार सुनाया जा रहा है। डपसिया और सांगवी गाँव में सत्संग चलाया गया और लगभग 250 नए लोगों ने भाग लिया। उमराद और सामरिया गांवों में आयोजित बाल शिविर में 32 बच्चों ने भाग लिया। छोटे प्रार्थना समूह कक्षों में महिलाओं की बाइबिल की कहानियाँ नियमित रूप से सिखाई जा रही हैं।

प्रार्थनाः योगेश नामक बच्चे के लिए प्रार्थना करें कि उसे रक्त कैंसर से चंगाई मिले। सुरमल और कुवरसिंह को शराब की लत से मुक्ति मिले। अवसाद से पीड़ित बोराडी गाँव की सुमी को मुक्ति मिली। जो लोग यीशु मसीह में अपने विश्वास को स्वीकार करते हैं, वे अपने विश्वास में दृढ़ बने रहें। अगामी सेवकाई की सफलता और फलदायी होने के लिए प्रार्थना करें।

25 FEBRUARY

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सुभ्रा बाग मिंटू कुदुम
श्रीमती सारथी अरुण कुमार, श्रीमती सुमति गणेश
श्रीमती नीतू दिनेश कुमार
श्री स्टीफन हांसदा, श्रीमती एंजल जेबा हेनरी

तलाजरी: गेड्डम श्रीनिवासराव एवं राज्य लक्ष्मी

स्तुति: मड़गांव में क्रिसमस कैरोल और क्रिसमस कार्यक्रम में 2200 लोग शामिल हुए और 22 लोगों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। मड़गांव में चर्च समर्पण कार्यक्रम परमेश्वर की कृपा से आयोजित किया गया। 10 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया।

प्रार्थना: उन लोगों के लिए प्रार्थन करें जिन्होंने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है, ताकि वे गवाही का जीवन जी सकें। मनार और चिल्लर के नए आउटरीच क्षेत्रों के लिए, ताकि सुसमाचार फलदायी हो। प्राचीनों और स्थानीय सुसमाचार प्रचारकों व्यवस्थित बाइबिल प्रशिक्षण के लिए प्रार्थना करें जो उन्हें परमेश्वर के वचन का पालन करने में मदद कर सकता है। वर्ली भाषा के नए नियम के नियोजित समर्पण कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रार्थना करें। मानसिक बीमारी से पीड़ित दत्तू हरपाले की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

कर्नाटक

सिग्गगाँव: नरेंद्र कुमार

स्तुति: लक्ष्मी और देवराज को विवाहित जीवन के 6 वर्षों के बाद संतान पैदा हुआ जबकि डॉक्टरों ने बताया था कि संतान का होना असंभव है। वे चर्च आए और विश्वास के साथ प्रभु से प्रार्थना की और प्रभु ने उन्हें एक आशीष दी। क्रिसमस कार्यक्रमों के माध्यम से, लगभग 5550 लोगों ने सुसमाचार सुना और लगभग 6000 ट्रैक्ट वितरित किए गए। पवित्रा और अनुषा को दुष्ट आत्मा से छुटकारा मिली। परमेश्वर ने मिशनरी को गुर्दे की पथरी से चंगाई दी।

प्रार्थना: सुसमाचार सुनने वाले और सुसमाचार के पर्चे प्राप्त करने वाले लोगों की भीड़ को परमेश्वर के वचन की सच्चाई से प्रबुद्ध होने उन लोगों को उद्धार की ओर ले जाया जा सके। हमारे कुछ पुराने विश्वासियों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो चर्च के प्रति अपने सुस्त व्यवहार को बदलें। हमारे विधायक यासिरखान पठान और अजीमपीर खादरी को कब्रिस्तान के लिए हमारे प्रस्ताव को स्वीकार करने और उसे मंजूरी देने के लिए प्रार्थना करें। जो लोग यीशु मसीह में विश्वास करते हैं, उन्हें अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने का साहस प्राप्त हो।

मुंडगोड़: कोंका गिरी बाबू एवं लूरधू मैरी

स्तुति: 3 नए गाँवों के 500 लोगों ने सुसमाचार सुना। छब्बी गाँव की एक महिला ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार की। दुमिरिगी, छब्बी, बुदरसिगी, अलीकट्टीगी, इंदिरानगर, करिकेरा, कवलिकोप्पा और गणेशपुरा गाँवों में बड़ा दिन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। इस्लाम धर्म की हाजिम्मा भी हमारी प्रार्थना सभा में शामिल हुई।

प्रार्थना: वैवाहिक जीवन के 15 वर्षों से निःसंतान कगोवाव्वा और नागप्पा के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करे। मुंडगोड़ में चर्च निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि प्राप्त हो। पूजा, चंद्रकला, रूपा, रुक्मिण, हंजुमा, मंजुनाथ देसाई और नागप्पा को यीशु मसीह में उद्धार प्राप्त हो। तिब्बती बस्ती की कस्तूरी को सांत्वना मिले जिसने अपने ससुर को खो दिया। गर्भपात हुए कृपा की सांत्वाना और उसे शीघ्र ही संतान की प्राप्त होने के लिए प्रार्थना करें।

26 FEBRUARY

उपवास प्रार्थना दिवस

बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सुरेश जोसेफ

निदागुंडी:

मंज्या नायक एवं एल. रत्ना

स्तुति: हम यीशु मसीह के सुसमाचार को 400 लोगों तक पहुँचाने में सफल रहे। 2 नए गाँवों में सुरामचार पहँचाया गया और 20 स्थानों पर द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। सुसमाचार का प्रचार करने और प्रार्थना करने के लिए 25 घरों का दौरा किया गया। बीबी वादी और सौलहल्ला में सामूहिक प्रार्थना कक्ष आयोजित किए गए। 400 लोगों के लिए क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कौशल्या के लिए जिसने बहुत कम वजन वाले समय से पहले बच्चे को जन्म दिया। जब उसने प्रार्थना की तो प्रभु ने बच्चे को अच्छे स्वास्थ्य किया और बच्चे कावजन बढ़ाया।

प्रार्थना: निदागुंडी क्षेत्र की आगामी सेवकाई के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर ने उमेश को शांता बाई से लिए 30,000 रुपये का ऋण चुकाने में सहायता की। निम्न रक्तचाप से पीड़ित शांता बाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। निदागुंडी क्षेत्र में मिशन कार्य के लिए एक नए स्थानीय प्रचारक की आवश्यक्ता है।

मुंडारगी: सैमुअल बेबरता

स्तुति: 362 लोगों तक सुसमाचार पहुँचाया गया। हड़गल्ली तालुक के दो नए गाँवों तक सुसमाचार पहुँचाया गया। मुंडारगी के हमारे चर्च के युवा दुर्गेश को जानलेवा बीमारी का पता चला, परन्तु प्रार्थना के द्वारा उसे चंगाई मिली। क्रिसमस समारोह में 475 लोग शामिल हुए और कुछ पुलिसकर्मी भी दर्शकों में शामिल थे। बेल्लारी जिले के बंजारा समुदाय के बीच सुसामचार पहुँचाया गया।

प्रार्थना: बेल्लारी जिले के 57 गाँवों के लिए प्रार्थना करें जिन्हें सुसमाचार की आवश्यकता है और चुने हुए लोग को सत्य की खोज करें। कुंचिकेरी समुदाय के लोग जो बाल विवाह और कम साक्षरता दर के बंधन में हैं, उन्हें यीशु मसीह में मुक्ति का अनुभव हो सके। मार्थामा, मेरीमा, इरम्मा, लक्ष्मीमा, सुंकलथम्मा, जयम्मा, मैलाम्मा, देवीदाम्मा और प्रेमलथाम्मा जो पिछले 7 से 20 वर्षों से कर्ज के कारण चर्च नहीं आ पा रहे हैं, प्रार्थन करें कि उन्हें कर्ज से छुटकारा मिले। दुर्गम्मा और रंगम्मा, जो अपने मसीही विश्वास के कारण अपने गाँव की ओर से लगातार परेशानियों का सामना करती हैं विश्वास में दृढ़ और साहसी बने रहें।

परमेश्वर के लिए कुछ भी असंभव नहीं!

महाराष्ट्र के इगतपुरी मिशन क्षेत्र के दामनी गाँव के हमारे विश्वासी रतन के 5 वर्षीय बेटे भूषण ने गलती से एक कंचा निगल लिया। प्राथमिक उपचार के बाद भी कंचा नहीं निकाला जा सका। रतन की पत्नी ललिता ने अपने बेटे को अस्पताल ले जाने से पहले प्रार्थना करने का फैसला किया। प्रार्थना के बाद, कंचा चमत्कारिक रूप से उसके गले से खिसककर उसके पेट में चला गया। भूषण उस रात अच्छी तरह सोया। अगली सुबह कंचा मल के माध्यम से स्वाभाविक रूप से बाहर निकल गया। रतन के परिवार ने चर्च में गवाही देकर परमेश्वर की महिमा की।

27 FEBRUARY

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती नियांग खान मन दुग बियाक लाल
श्रीमती अनीता शिशु पाल
श्रीमती नौजाल्हिंग किपजेन सीहखोथांग

आंध्र प्रदेश

रोड्डम: देबदत्ता लीमा एवं सोनिया रानी जेना

स्तुति: लगभग 200 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। आउटरीच सेवकाई के माध्यम से 4 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। सानिपल्ली गाँव में आयोजित विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति कार्यक्रम में 10 लोगों ने अपने विश्वास का अंगीकार किया। बंदापल्ली गाँव में आयोजित प्राचीनों की प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलीसिया के 8 प्राचीनों ने भाग लिया। चेरुकुरु और रोड्डम गाँवों में दिखाई गई जीसस फिल्म को 24 लोगों ने देखा। लंबे अंतराल के बाद, तुरुकलपट्टनम गाँव में क्रिसमस कार्यक्रम के साथ आराधना सेवा फिर से शुरू की गई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि तुरुकलपट्टनम गाँव में शुरू की गई प्रार्थना सेल बिना रुके नियमित रूप से संचालित किया जा सके। राजू के लिए प्रार्थना करें जो मसीही धर्म का विरोध करता है और चर्च की संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है, परमेश्वर उसे छूए। राजमा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो मानसिक और शारीरिक रूप से टूट चुकी है। रोड्डम गाँव के लिए एक सुसामचार प्रचारक की व्यवस्था और चर्च बनाने के लिए उपयुक्त भूमि मिलने के लिए प्रार्थना करें।

नल्लागाड़ा: दिनेश मड़ैया एवं मैरी मुर्मू

स्तुति: क्रिसमस कार्यक्रमों के दौरान वितरित किए गए ट्रैक्टों के माध्यम से 980 लोगों तक सुसमाचार पहुँचाया गया। नल्लमदा में उनके लिए आयोजित विशेष बैठक में कई महिलाओं ने भाग लिया और परमेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया। बुधवार को कलीसियाई उपवास प्रार्थना की प्रथा को सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि नल्लमदा में चर्च बनाने के लिए अच्छी भूमि मिले और सहयोग प्राप्त हो। पिछले पाँच वर्षों से शैतान के चंगुल में फँसी मनरियम्मा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसे प्रार्थना सभाओं में लायी जा रही है। जो लोग मसीह को स्वीकार करते हैं सामाजिक भय से छुटकारा पाएँ खुले तौर पर मसीह को स्वीकार करें।

गंगू बेन का विश्वास एवं परमेश्वर का हस्तक्षेप!

महाराष्ट्र के नासिक जिले के इगतपुरी मिशन क्षेत्र के निकट तालाकाओ गाँव में में रहने वाली गंगू बेन, एक धर्मपरायण विश्वासिनी हैं। उसने अपनी बेटी चित्रा की शादी पड़ोसी शहर के एक परिवार से कर दी थी। हालाँकि, जब चित्रा अपनी माँ के घर गई, तो उसने अपनी पहनी हुई सोने की चेन खो दी। अपने ससुराल लौटने पर, किसी ने भी उसके चेन खोने के दावे पर विश्वास नहीं किया। वे नाराज थे, उन्हें संदेह था कि उसने इसे अपने परिवार को दे दिया है और अब इसे खोने का नाटक कर रही है। जवाब में, चित्रा और उसकी माँ, गंगू बेन ने प्रार्थना और उपवास की ओर रुख किया, और परमेश्वर से मदद माँगी। अपनी दया से, परमेश्वर ने उन्हें खोई हुई चेन खोजने में मार्गदर्शन किया। परमेश्वर की महिमा हो!

28
FEBRUARY

शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री वीनू पी., श्री सैमुअल जे.
श्रीमती आइरीन लेथेनमुओंग हाओकिप

कोत्ताचेरुवुः

देसाई दिलीप भाई एवं राधे लक्ष्मीबेन नवाशु भाई

स्तुतिः ओबुलामा नामक एक महिला को हमारे यहाँ प्रार्थना के लिए लाई गई थी और उसे शैतान के बन्धन से छुटकारा पाई, अब उसका पूरा परिवार मसीह में विश्वास रखता है। एक ने मसीह को स्वीकार किया और चर्च की सदस्य बन गई। महिलाओं की सभा में 15 लोगों ने भाग लिया और उन्हें आशीष मिली। परमेश्वर ने क्रिसमस कार्यक्रमों और कैरोल्स को बिना किसी बाधा के संपन्न होने दिया है।

प्रार्थनाः आईए हम केशवमा के लिए प्रार्थना करें जो प्रार्थना सभाओं में आकर रोती और प्रार्थना करती है क्योंकि दूसरों ने उसकी जमीन हड़प ली है, परमेश्वर की कृपा से उसकी जमीन वापस मिले। गिरने के कारण कूल्हे की हड्डी टूटने से पीड़ित कंगना की शीघ्र चंगाई के लिए प्रार्थना करें। सुसमाचार के प्रति दिन–प्रतिदिन बढ़ते विरोध के कम होने के लिए प्रार्थना करें।

तमिलनाडु

मेचेरीः

आर.आर.धर्मराज एवं मारिया सेल्वी

स्तुतिः परमेश्वर ने मिशनरियों को क्रिसमस के दौरान परमेश्वर का वचन साझा करने के लिए 20 परिवारों से मिलने में सक्षम बनाया। परमेश्वर ने कन्नैयन और जयालक्ष्मी को उनकी बीमारी से चंगाई दी। रंजीत को तीव्र पेट दर्द से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि थंगम्माम को फेफड़ों की समस्या से मुक्ति मिले। श्रीनिवासन और प्रिया को संतान सुख की प्राप्ति हो। मूर्ति, गोपी और सेल्वाराज को शराब की लत से छुटकारा मिले। प्रार्थना करें कि इस नए साल में और अधिक प्रार्थना समूहों का गठन किया जाए। चिनाराज, दुरैसामी, लक्ष्मी और थंगम्मा के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे पूरे हृदय और मन से परमेश्वर को स्वीकार करें।

अनुवाद

पावरी अनुवादः

जेन अमुथा किरुबाई

स्तुतिः भजन संहिता एवं एस्तेर की पुस्तकों की समीक्षा पूरी हो गई। निर्गमन और नीतिवचन से 10–10 अध्यायों का अनुवाद किया गया।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि संडे स्कूल और बी. बी.एस. पाठ्यक्रमों का अनुवाद कार्य जल्द से जल्द पावरी भाषा में किया जा सके। प्रार्थना करें कि प्रत्येक पावरी विश्वासीगण नए नियम को पढ़ें और उस पर ध्यान करें। वे परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करें और उससे डरें। अनुवाद में सहायता करने वाले व्यक्ति को परमेश्वर आशीष दे। ऑडियो बाइबल के रिलीज होने के लिए प्रार्थना करें ताकि अधिक से अधिक लोग परमेश्वर के प्रेम को जान सकें। मिशनरी को बाएं हाथ के दर्द से ठीक हो और फाइब्रॉएड ट्यूमर को जल्द से जल्द हटाया जा सके। मिशनरी की दूसरी बेटी नलाथम की उच्च शिक्षा के लिए प्रार्थना करें।

401
मिशनरी एल्बम

भाई किंग्सली लिविंगस्टन एवं डेल्फिन परिवार

भाई लिविंग्सटन का जन्म चेन्नई के स्वर्गीय श्री राजेंद्रन और श्रीमती मेरी बकयाम के परिवार में सबसे बड़े बेटे के रूप में 1 मई 1987 को जन्म हुआ था। उनकी दो बहनें हैं। उनके माता–पिता ने उन्हें बड़े ही प्यार से पाला था। एक मजबूत आध्यात्मिक आधार दिया और जब वह 8वीं कक्षा में था उनमें नाश होने वाले आत्माओं का बोझ डाला। किंग्सली ने 13 वर्ष की आयु में जब वे 8वीं कक्षा में अध्ययन कर रहे थे तभी अपना जीवन चर्च के माध्यम से बच्चों के बीच स्वेच्छा से ईश्वर की सेवा करने के लिए अपने को समर्पित कर दिया। जब वे अपनी 12वीं कक्षा में अध्ययन कर रहे थे एन.एल.एजी. चर्च में संध्याकालीन आराधना के दौरान जम्मू एवं काश्मीर के एक मिशनरी द्वारा साझा किए गए गवाही ने किंग्सली को नाश हो रही आत्माओं को बचाने के लिए अपना जीवन को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया। परमेश्वर के मार्गदर्शन का पालन करते हुए, वह एक संगठन में शामिल हो गए और धर्मशास्त्र स्नातक (बी.टी.एच.) कार्यक्रम में प्रवेश लिया जहाँ परमेश्वर ने यशायाह 61:1–2 के माध्यम से उनसे बातें की और सेवकाई के लिए उसके बुलावे की पुष्टि की। परमेश्वर के आदेश का पालन करते हुए उन्होंने 2007 में एफ.एम.पी.बी. (फेथ मिशनरी एण्ड पास्टोरल बॉर्ड)। में प्रवेश लिया और एन.आई.एम. में प्रशिक्षण के बाद 2008 से 2014 तक झारखंड में संथाल समुदाय के बीच सेवा की। उन्होंने हिरणपुर क्षेत्रीय कार्यालय और कोटालपुकुर मिशन क्षेत्र में भी सेवा की।

सिस्टर डेल्फिन का जन्म 19 मार्च 1990 को तंजावुर जिले में श्री पेरियानायगम और श्रीमती रोस्लिन मैरी के परिवार में सबसे बड़ी बेटी के रूप में हुआ था। उनकी तीन बहनें हैं। डेल्फिन ने 2012 में FMPB द्वारा आयोजित तीन दिवसीय उपवास प्रार्थना के दौरान मिशनरी सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उसने मत्ती 9:37 के माध्यम से अपने बुलावे की पुष्टि की जिसमें लिखा है, "फसल तो बहुत है, परन्तु मजदूर थोड़े हैं।" वह 2014 में एफ.एम.पी.बी. में शामिल हो गई और एन.आई.एम. में अपनी प्रशिक्षण पूरी की। किंग्सली और डेल्फिन का विवाह 1 जून 2015 को हुई। उन्होंने पश्चिम बंगाल में संथाल समुदाय के बीच में प्रभु, विशेष रूप से पतिराम, मालतीपुर और तपन में 2015 से 2022 तक सेवा की। वर्तमान में ये कुमारगंज और बालुरघाट मिशन क्षेत्र में सेवा कर रहे हैं। परमेश्वर ने उन्हें दो बच्चे देकर आशीषित किया है। केविन रॉय, जिनका जन्म 22 जून 2016 को हुआ था जो वर्तमान में संतोषा विद्यालय डाहेनावूर में चौथी कक्षा में है अध्ययन कर रहा है और उनकी बेटी केशिका जिनका जन्म 19 मार्च 2018 को हुआ था दूसरी कक्षा में अध्ययन कर रही हैं।

आईए हम इस परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण करें।

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org **Printed by:** Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. **Editor: S. John Berlin**